फ़ैक्ट इंडिया न्यूज़

FACT INDIA NEWS

अपराध, आतंकवाद, भ्रष्टाचार के खिलाफ
आपका सच्चा, निर्भय एवं निष्पक्ष साथी!

RNI NO. DELHIN/2015/65319 शनिवार 02 जुलाई 2022 नई दिल्ली ■ वर्ष: 07 ■ अंक: 228 ■ मूल्य: 2/- ■ पृष्ठ: 08 www.factindianews.com

खबर एक नज़र

मोदी ने सफल प्रक्षेपण पर इसरो को दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो के पीएसएलवी सी 53 मिशन द्वारा अंतरिक्ष में भारतीय स्टार्ट-अप्स के दो पे-लोड के सफल प्रक्षेपण के लिये इन-स्पेसई और इसरो को बधाई दी है। मोदी ने शुक्रवार को एक ट्वीट में कहा, अंतरिक्ष में भारतीय स्टार्ट-अप्स के दो पे-लोड को लॉन्च करके पीएसएलवी सी 53 मिशन ने एक नया पड़ाव अर्जित कर लिया है। यह कारनामा कर दिखाने के लिए इन-स्पेसई और इसरो को बधाई।

वर्तमान जीएसटी ने अर्थव्यवस्था को किया बर्बाद : पी.चिदंबरम

नई दिल्ली। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) को 'एक राष्ट्र, एक कर' के सिद्धांत के साथ लागू किया गया था। शुक्रवार को इस कानून के पांच साल पूरे हो गए। इस अवसर पर कांग्रेस और उसके वरिष्ठ नेता पी.चिदंबरम ने इस कानून की खामियों के लिए नरेंद्र मोदी सरकार की आलोचना की। यूपीए सरकार में वित्त मंत्री रहे पी.चिदंबरम ने कहा कि कांग्रेस यह स्पष्ट करना चाहती है कि यह वो जीएसटी नहीं है, जिसे कांग्रेस नीत यूपीए सरकार लागू करना चाहती थी। यह जो जीएसटी है, वह त्रुटिपूर्ण, दोषपूर्ण और अस्थिर है। यह कानून इतना दोषपूर्ण है कि सरकार को सैकड़ों कार्यादेश जारी करने पड़े। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि इस जीएसटी पर पुनर्विचार हो, ताकि देश को एक सही जीएसटी मिल सके।

जुलाई में सामान्य रहेगी वर्षा : मौसम विभाग

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने उत्तरी, मध्य भारत और दक्षिणी प्रायद्वीप में जुलाई में 'सामान्य और सामान्य से अधिक' बारिश होने का अनुमान जताया है। विभाग ने एक बुलेटिन में कहा कि देश में जुलाई में बारिश सामान्य रहेगी (लंबी अवधि के औसत की 94 से 106) प्रतिशत रहेगी। विभाग ने कहा, हिमालय की तलहटी और प्रायद्वीप को छोड़कर देश के अधिकतर भाग में अधिकतम तापमान सामान्य या सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है। हिमालय की तलहटी और प्रायद्वीप में अधिकतम तापमान सामान्य से कम रहने के आसार हैं।

केरल में माकपा के एकेजी सेंटर पर हमला

तिरुवनंतपुरम। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के यहां स्थित पार्टी मुख्यालय एकेजी सेंटर पर अज्ञात हमलावरों ने बम फेंका। करीब 23.45 बजे स्कूटर पर आए दो लोगों में एक ने कार्यालय के मुख्य द्वार पर बम फेंका। हमले में किसी के घायल होने की रिपोर्ट नहीं है। घटना के दौरान कई माकपा नेता कार्यालय में मौजूद थे। विस्फोट की तेज आवाज सुनकर इलाके में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी और पार्टी के लोग मौके पर पहुंचे।

पैगंबर पर विवादित बयान से सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा

नूपुर को देश से मांगनी चाहिए माफी

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। पैगंबर पर विवादित बयान देने के लिए नूपुर शर्मा को सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि नूपुर ने टेलीविजन पर धर्म विशेष के खिलाफ उकसाने वाली टिप्पणी की। उन्होंने अपने बयान से लोगों की भावनाएं भड़काई हैं और देशभर में जो कुछ भी हो रहा है, उसकी जिम्मेदार नूपुर ही हैं। उन्होंने देश की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा किया है। कोर्ट ने कहा कि अपने बयान पर माफी भी उन्होंने शर्तों के साथ ही मांगी, वह भी तब, जब लोगों का गुस्सा भड़क चुका था। यह उनकी जिद और घमंड दिखाता है। कोर्ट ने कहा कि इससे क्या फर्क पड़ता है कि वे एक पार्टी की प्रवक्ता हैं। वे सोचती हैं कि उनके पास सत्ता का समर्थन है और वे कानून के खिलाफ जाकर कुछ भी बोल सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि क्या आपके लिए यहां रेड कारपेट होना चाहिए। जब आप किसी के खिलाफ शिकायत करती हैं, तो उस व्यक्ति को अरेस्ट कर लिया जाता है। आपके दबदबे की वजह से कोई भी आपको छूने की हिम्मत नहीं करता। इससे क्या फर्क पड़ता है कि आप एक पार्टी की प्रवक्ता हैं। आप सोचती हैं कि आपके पास सत्ता का समर्थन है और आप कानून के खिलाफ जाकर कुछ भी बोल सकती हैं। नूपुर के वकील ने कहा नूपुर को धमकियां मिल रही हैं। उनके लिए इस समय यात्रा करना सुरक्षित नहीं है। कोर्ट ने कहा नूपुर को धमकियां मिल रही हैं या वे खुद सुरक्षा के लिए खतरा हैं? देश में जो कुछ हो रहा है, उसके लिए वही जिम्मेदार हैं। पैगंबर के खिलाफ नूपुर शर्मा की टिप्पणी या तो सस्ते प्रचार, राजनीतिक एजेंडे या कुछ नापाक गतिविधियों के लिए की गई थी। ये धार्मिक लोग नहीं हैं और भड़काने के लिए ही बयान देते हैं।

- देशभर में जो कुछ भी हो रहा है, उसके लिए नूपुर को ठहराया जिम्मेदार
- कोर्ट ने माना, नूपुर ने टेलीविजन पर धर्म विशेष के खिलाफ उकसाने वाली टिप्पणी की
- अपने बयान पर माफी भी शर्तों के साथ ही मांगी वह भी तब जब लोगों का गुस्सा भड़क चुका था

क्या आपके लिए यहां रेड कारपेट होना चाहिए। जब आप किसी के खिलाफ शिकायत करती हैं, तो उस व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया जाता है। आपके दबदबे की वजह से कोई भी आपको छूने की हिम्मत नहीं करता : सुप्रीम कोर्ट

नूपुर शर्मा पर न्यायालय की टिप्पणी वापस लेने की अर्जी

भाजपा की निलंबित प्रवक्ता नूपुर शर्मा पर उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली अवकाशकालीन पीठ की मौखिक टिप्पणियां हटाए जाने के लिए मुख्य न्यायाधीश के समक्ष एक याचिका दाखिल की गई। गौ महासभा के अध्यक्ष अजय गौतम ने मुख्य न्यायाधीश एन.वी. रमना के समक्ष याचिका दाखिल करके कहा है।

टीवी चैनल व दिल्ली पुलिस को भी लगाई फटकार

कोर्ट ने विवादित बहस को दिखाने वाले टीवी चैनल और दिल्ली पुलिस को फटकार लगाते हुए कहा, दिल्ली पुलिस ने क्या किया? हमें मुंह खोलने पर मजबूर मत कीजिए। टीवी डिबेट किस बारे में थी? इससे केवल एक एजेंडा सेट किया जा रहा था। उन्होंने ऐसा मुद्दा क्यों चुना, जिस पर अदालत में केस चल रहा है।

ऐसे लोग दूसरे धर्म की इज्जत नहीं करते। हमने देखा है कि बहस के दौरान नूपुर ने कैसे उकसाने वाली बात कही, उसके बाद भी वे कहती हैं कि मैं एक वकील हूं। यह शर्मनाक है। नूपुर को पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। यह याचिका आपके घमंड को दिखाती है। आप लोअर कोर्ट की जगह सीधे सुप्रीम कोर्ट पहुंच गईं। देशभर के मजिस्ट्रेट कोर्ट आपके लिए छोटे हैं।

नूपुर की याचिका की खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने नूपुर के खिलाफ देश के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे मामलों को दिल्ली ट्रांसफर करने की उनकी याचिका भी खारिज कर दी। कोर्ट की फटकार के बाद नूपुर शर्मा के वकील मनिंदर सिंह ने कहा कि वे अपने बयान पर माफी मांग चुकी हैं और उन्होंने इसे वापस भी ले लिया है।

इस पर कोर्ट ने कहा कि जब माफी मांगी गई, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इसके बाद उनके वकील ने याचिका वापस लेने की इजाजत मांगी, कोर्ट ने इसकी मंजूरी दे दी। सुप्रीम कोर्ट में दो जजों ने ने 27 मिनट की सुनवाई के बाद कुल तीन लाइन के आदेश में नूपुर की याचिका का निपटारा कर दिया। हालांकि बेंच ने नूपुर पर जो चार सबसे तल्ख टिप्पणियां की थीं, उनका जिक्र कोर्ट के आदेश में नहीं था।

कोर्ट ने उदयपुर हत्याकांड का जिक्र किया

सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुबह ग्यारह बजकर तीन मिनट पर सुनवाई शुरू हुई, जो साढ़े ग्यारह बजे तक चली। कुल 27 मिनट की सुनवाई में कोर्ट ने उदयपुर हत्याकांड का जिक्र भी किया।

देश के शीर्ष न्यायालय ने जो बातें भाजपा की पूर्व को लेकर कहीं हैं उससे भाजपा को उसका असली चेहरा दिखाया गया है। भाजपा को इस दर्पण में अपना चेहरा देखना चाहिए और फिर शर्म से अपना सिर झुका लेना चाहिए : **जयराम रमेश**

नुपुर शर्मा मामले में सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी सांप्रदायिक ताकतों के लिए है सबक : **मायावती**

ईडी ऑफिस में बैठाकर मेरा व्यवहार नहीं बदल सकते मोदी : राहुल

वायनाड, 1 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वायनाड में शुक्रवार को अपने कार्यालय का दौरा किया। तीन दिवसीय दौरे पर वायनाड पहुंचे राहुल गांधी ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ कार्यालय पहुंचे तथा नुकसान का जायजा लिया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को केंद्र पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी मुझे प्रवर्तन निदेशायल के ऑफिस में पांच दिन बैठाकर मेरा व्यवहार नहीं बदल सकते हैं। राहुल गांधी को पिछले महीने नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने पांच दिन तक पूछताछ की थी। राहुल गांधी ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने भ्रम के कारण ऐसा उपाय अपनाया, लेकिन उन्हें नहीं पता था कि उनके व्यवहार में कोई बदलाव नहीं होगा।

- राहुल ने वायनाड से केंद्र पर बोला हमला
- नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने की थी पांच दिन तक पूछताछ

जनता के लिए स्नेह से आकार लेता है मेरा व्यवहार

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, मेरा व्यवहार मेरे देश के लोगों के प्रति मेरे स्नेह से आकार लेता है। यह इस देश की मेहनतकश जनता के लिए स्नेह से आकार लेता है। इसे मेरे विरोधियों या मेरे दुश्मनों द्वारा कभी भी आकार नहीं दिया जा सकता है।

शिंदे के सामने सत्ता बचाने की चुनौती

शिंदे की अयोग्यता पर 11 जुलाई को विचार करेगा सर्वोच्च न्यायालय

मुंबई, 1 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में भाजपा के समर्थन से एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री बन गए हैं, लेकिन सरकार बचाना शिंदे के लिए भी आसान नहीं है। कानूनी रूप से देखा जाए, तो महाराष्ट्र की सरकार एडहॉक पर है, जो बागी विधायकों को सुप्रीम कोर्ट से मिली अंतरिम राहत पर टिकी है।

इस बीच, शिवसेना के चीफ व्हिप ने नई अर्जी दायर करके सुप्रीम कोर्ट से मांग की है कि 16 बागी विधायकों को वोट देने से रोका जाए। हालांकि इस पर भी 11 जुलाई को ही सुनवाई होनी है।

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि वह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत 16 विधानसभा सदस्यों की अयोग्यता संबंधी विवाद पर अंतिम निर्णय आने तक उन्हें निलंबित करने तथा विधानसभा की कार्यवाही में भाग नहीं लेने का निर्देश देने की मांग संबंधी शिवसेना की याचिका पर 11 जुलाई को सुनवाई करेगा।

- बागी अयोग्य घोषित हुए तो पलट सकता है पासा

उद्धव ठाकरे कैंप को फिर से लगा झटका

सुप्रीम कोर्ट में शिवसेना के उद्धव ठाकरे कैंप को फिर से झटका लगा है। अदालत ने एकनाथ शिंदे समेत 16 विधायकों की अयोग्यता पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है। कोर्ट का कहना है कि 11 जुलाई को ही अन्य केसों के साथ ही इस मसले पर सुनवाई की जाएगी। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि वह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उन 15 बागी विधायकों को विधानसभा से निलंबित किए जाने का अनुरोध करने वाली शिवसेना के मुख्य सचेतक सुनील प्रभु की याचिका पर 11 जुलाई को सुनवाई करेगा, जिनके खिलाफ अयोग्यता याचिकाएं लंबित हैं। 16 बागी विधायकों की सदस्यता रद्द करने और डिप्टी स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का मामला सुप्रीम कोर्ट में है।

यदि अमित शाह ढाई साल पहले बात मान लेते तो महाविकास अघाड़ी का गठन ही नहीं होता और अब 2.5 साल के लिए महाराष्ट्र में भाजपा का सीएम होता : **उद्धव ठाकरे**

पुरी में रथयात्रा की दिखी धूम

- पुरी में चार धामों में से एक विश्वप्रसिद्ध श्री जगन्नाथ मंदिर में वार्षिक रथयात्रा के मौके पर देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु उमड़े। भगवान जगन्नथ, बलभद्र जी व सुभद्रा माई मंदिर के तीन देवता तीन अलग अलग रथों पर यात्रा करते हैं। इस दिन भगवान जगरनाथ, बलभद्र जी और सुमित्रा माई के साथ अपनी मौसी के घर जाते हैं। हर साल पेड़ो के कुछ हिस्सों का इस्तेमाल करके नए सिरे से रथ का निर्माण किया जाता है। प्रत्येक रथ में आगे की ओर लकड़ी के चार घोड़े लगे होते हैं।

मणिपुर भूस्खलन में 82 लोग दबे

इंफाल, 1 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर के नोनी जिले में टेरिटोरियल आर्मी के जवानों समेत अभी भी 44 लोग मिट्टी के नीचे दबे हुए हैं। गुरुवार को जवानों का कैंप लैंडस्लाइड की चपेट में आ गया था। जिसके बाद से एनडीआरएफ की टीम बड़े पैमाने पर रेस्क्यू मिशन चला रही है, लेकिन रुक रुक कर हो रही बारिश की वजह से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अभी तक मिली जानकारी के मुताबिक, 18 लोगों को रेस्क्यू कर लिया गया है, जबकि 15 जवानों और 5 नागरिकों के शव बाहर निकाले जा चुके हैं। घायलों को इलाज के लिए नोनी आर्मी मेडिकल यूनिट लाया गया है।

- 15 जवानों व 5 नागरिकों के शव निकाले गए
- 18 लोगों को बचाया गया 44 की तलाश जारी

देश की रक्षा को लेकर बड़ा कदम

भारत के घातक ड्रोन का सफल परीक्षण

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ने पहली बार ऑटोनॉमस फ्लाइंग विंग टेक्नोलॉजी डिमॉन्स्ट्रेटर को उड़ाया। यह उड़ान कर्नाटक के चित्रदुर्ग स्थित एयरोनॉटिकल टेस्ट रेंज में की गई। अमेरिका के बी-2 बमवर्षक की तरह दिखने वाला ये विमान पूरी तरह से स्वचालित था। इसने खुद ही टेक ऑफ लिया, वे प्वाइंट नेविगेशन और आसानी से लैंडिंग की। यह उड़ान भविष्य के मानव रहित विमानों के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों को साबित करने के मामले में एक प्रमुख उपलब्धि है। यह देश की रक्षा को लेकर भी बड़ा कदम है। इसे बेंगलुरु स्थित एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट इस्टैबलिशमेंट ने बनाया है। यह एक छोटे टर्बोफैन इंजन से उड़ता है।

- राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ को दी बधाई

स्वायत्त विमानों की दिशा में यह बड़ी उपलब्धि : राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ को बधाई देते हुए कहा कि यह स्वायत्त विमानों की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। इससे महत्वपूर्ण सैन्य प्रणालियों के रूप में आत्मनिर्भर भारत का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

कन्हैयाला हत्याकांड मामले में दो और आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के उदयपुर में कन्हैयालाल हत्याकांड मामले में पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं। अतिरिक्त महानिदेशक अशोक राठौड ने बताया कि उदयपुर नृशंस हत्याकांड मामले में गुरुवार देर रात दो बजे इन दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इन दोनों आरोपियों को रैकी एवं आपराधिक षड्यंत्र रचने के मामले में गिरफ्तार किया गया। राठौड़ ने बताया कि इन दोनों को शुक्रवार को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया गया। उन्होंने बताया कि इससे पहले इस मामले के दो मुख्य आरोपी मोहम्मद रियाज अख्तारी एवं गौस मौहम्मद को गत 28 जून को घटना के दिन ही गिरफ्तार कर लिया गया था और इनकी शिनाख्त परेड के लिए उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में लेकर अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल भेजा गया है।

अभियान — जम्मू कश्मीर में कचरा मुक्त तीर्थयात्रा अभियान शुरू

अमरनाथ यात्रा में निकलने वाले कचरे का होगा इस्तेमाल

जम्मू,1 जुलाई (एजेंसियां)। अमरनाथ यात्रा को जीरो वेस्ट बनाने की मुहीम का असर दिखाई देने लगा है। जम्मू कश्मीर के रूरल डेवलपमेंट विभाग ने कचरा मुक्त तीर्थयात्रा अभियान शुरू किया है। स्वच्छ भारत मिशन की तर्ज पर कचरा मुक्त तीर्थयात्रा का काम चल रहा है। यात्रियों को प्लास्टिक और पालिथीन ले जाने से रोका जा रहा है। इसके अलावा यात्रा मार्ग में कचरे को उठाने और उसके निपटान की पूरी मशीनरी लगाई गई है।

पहले दो दिन से ही इस अभियान का असर दिखाई दे रहा है। लोगों में जागरूकता बढ़ रही है। इस काम में सहयोगी स्टार्टअप 'स्वाहा' के वालंटियर्स लगे हुए हैं। इस योजना का लक्ष्य पहाड़ों और नदियों को प्रदूषण से मुक्त रखना है। प्रतिवर्ष अमरनाथ यात्रा में 500 टन कचरा निकलता रहा है। इस बार करीब 800 टन कचरा निकलने का अनुमान है। इस अनूठी योजना के बारे में आईएएस अधिकारी और सेक्रेटरी रूरल डेवलपमेंट जम्मू कश्मीर मनदीप कौर का कहना है कि इस वर्ष केंद्र सरकार के मार्गदर्शन 'स्वच्छ भारत अभियान' और यूएनीपी की ओनली वन अर्थ को गाइड लाइंस मानते हुए यह तय किया गया कि अमरनाथ के निवास और पवित्र गुफा दर्शन के इस आयोजन को पूर्णत: सस्टेनेबल और कचरा मुक्त रखा जाए। इसका उद्देश्य प्रकृति, पहाड़ों, ग्लेशियर्स की रक्षा के साथ-साथ इस यात्रा को एक मिसाल बनाना है। यात्रियों को जागरूक करने के लिए कुछ नारे भी बनाए हैं। ये हैं 'प्रभु का घर गन्दा नहीं करेंगे हम', 'जय शिव ओंकारा, मिटायेंगे कचरा सारा'। डायरेक्टर रूरल डेवेलपमेंट और सेनिटेशन चरणजीत सिंह ने बताया कि यात्रा को पूरी तरह से सिंगल यूज पालीथीन और डिस्पोजल प्लास्टिक से मुक्त रखने को हम प्रतिबद्ध हैं। यात्रा मार्ग में चलने वाले लंगरों के प्रबंधन को जागरूक किया जाएगा। उनके सहयोग से अमरनाथ का धाम पूरी तरह कचरा मुक्त करने पर जोर है। इस योजना के सहयोगी स्वाहा संस्था के को-फाउंडर समीर शर्मा का कहना है कि किसी भी तरह का वेस्ट लैंडफील में नहीं जाने दिया जाएगा। कचरे को रीसायकल किया जाएगा। कचरे से बनी खाद किसानों और इलाके की नगर परिषद् के काम आएगी। इसके लिए स्पाट पर ही सेग्रीगेशन और प्रोसेसिंग यूनिट लगाई गई हैं। कचरे के अलावा सौर ऊर्जा के उपयोग पर भी काम हो रहा है। यात्रा मार्ग पर सोलर कान्सेंट्रेटर लगाए गए हैं।

रूरल डेवलपमेन्ट विभाग इसके जरिए यात्रा को हर दृष्टि से प्रदूषण मुक्त बनाने में जुटा है। ये सोलर कान्सेंट्रेटर दूध, पानी गर्म करने, चावल, मैगी, आलू उबालने में काम आएंगे।

- पहाड़ों व ग्लेशियर को बचाना अभियान का उद्देश्य
- प्रतिवर्ष अमरनाथ यात्रा में निकलता है पांच सौ टन कचरा

5 जुलाई को बिहार दौरे पर आ रही द्रौपदी मुर्मू नीतीश कुमार से मुलाकात कर मांगेंगी समर्थन

पटना, 1 जुलाई (एजेंसियां)। देश में राष्ट्रपति चुनाव की तैयारी जोर शोर से चल रही है एक तरफ जहां एनडीए के तरफ से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू तो विपक्ष की तरफ से जसवंत सिन्हा को उम्मीदवार बनाया है।एनडीए की राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू अपने पक्ष में समर्थन बढ़ाने के लिए लगातार अलग-अलग राज्यों का दौरा कर रही है। इसी सिलसिले में 5 जुलाई को द्रौपदी मुर्मू बिहार दौरे पर आ रही है जहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित अन्य दलों से मुलाकात कर अपने पक्ष में वोट करने की अपील करेगी। राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को एनडीए के सभी घटक दलों की ओर से समर्थन प्राप्त है। बिहार में एनडीए के मुख्य घटक जदयू ने खुला समर्थन का पहले एलान कर दिया है। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वयं प्रस्तावक हैं।

बताते चलें कि बीजेपी प्रवक्ता प्रेम रंजन पटेल ने कहा कि द्रौपदी मुर्मू एनडीए की ओर से राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार हैं और राष्ट्रपति पद के लिए नॉमिनेशन कर चुकी हैं। समर्थन देने वाले नेताओं और अपने मतदाताओं से वे लगातार मुलाकात कर रही है। उसी तरह वे बिहार दौरे पर आ रही हैं। 5 जुलाई को वे बिहार दौरे के दौरान सीएम नीतीश कुमार से मिलेंगी। इसके अलावा एनडीए घटक दल के सभी नेताओं और अपने मतदाताओं से भी मुलाकात करेंगी।एनडीए की ओर से समाज के सबसे निचले तबके आदिवासी समाज से आने वाली द्रोपदी मुर्मू को राष्ट्रपति उम्मीदवार बनाया गया है। इस चुनाव में बीजेपी ने द्रौपदी मुर्मू के नाम पर ऐसी चाल चली की, जेडीयू को भी समर्थन

- राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को एनडीए के सभी घटक दलों की ओर से समर्थन प्राप्त है
- समर्थन देने वाले नेताओं और अपने मतदाताओं से वे लगातार मुलाकात कर रही मुर्मू

देने के लिए विवश होना पड़ा। जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने बुधवार को अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से ट्वीट कर लिखा, राष्ट्रपति के चुनाव में गरीब परिवार में जन्मी एक आदिवासी महिला द्रौपदी मुर्मू उम्मीदवार हैं।

वही नीतीश ने द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार बनाए जाने पर ट्वीट कर लिखा, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया जाना खुशी की बात है। द्रौपदी मुर्मू जी एक आदिवासी महिला हैं।एक आदिवासी महिला को देश के सर्वोच्च पद के लिए उम्मीदवार बनाया जाना अत्यंत प्रसन्नता की बात है।द्रौपदी मुर्मू ओडिशा सरकार में मंत्री तथा इसके पश्चात झारखंड की राज्यपाल भी रह चुकीं हैं। फिलहाल, इस बार द्रोपदी मुर्मू का समर्थन कर नीतीश ने अपना ट्रेंड बदल लिया है।

वीसीके ने विपक्षी दलों से यशवंत सिन्हा का समर्थन करने की अपील की

चेन्नई। जहां भाजपा और राजग राष्ट्रपति चुनाव में द्रौपदी मुर्मू की उम्मीदवारी को देश में आदिवासी समुदाय को ऊपर उठाने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में उजागर कर रहे हैं वहीं, तमिलनाडु की एक प्रमुख दलित राजनीतिक पार्टी विदुथलाई चिरुथाईगल काची (वीसीके) ने सभी विपक्षी दलों से राष्ट्रपति के रूप में यशवंत सिन्हा का समर्थन करने का आग्रह किया है। वीसीके के संस्थापक नेता और सांसद थोल थिरुमावलवन ने कहा कि राष्ट्रपति के दलित होने के बावजूद देश में समुदाय पर हमले में कोई कमी नहीं आई है। उन्होंने कहा कि समुदाय पर अत्याचार बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि दक्षिणपंथी ताकतें देश में लोकतांत्रिक संस्थानों को नष्ट करने पर तुली हुई हैं और लोकतंत्र को बचाने के लिए विपक्षी राजनीतिक दलों की जरूरत है और इसलिए सिन्हा की उम्मीदवारी को अपना समर्थन दें।

त्रिपुरा में भाजपा के खिलाफ कांग्रेस ने की विपक्ष से संगठित होने की अपील

अगरतला, 1 जुलाई (एजेंसियां)। त्रिपुरा में आगामी विधानसभा उपचुनावों के मद्देनजर कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच चुनावी रस्साकशी शुरू हो गयी है। एक ओर कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ विपक्ष को एकजुट करने की कवायद शुरू कर दी है तो दूसरी ओर भाजपा ने भी कांग्रेस की राजनीतिक चाल को तोड़ने के लिए राज्य में वामदलों के 25 साल के शासन के दौरान लोकतंत्र और विकास के नाम पर हुए खिलवाड़ का आरोप लगाते हुए लोगों को चेताना शुरू कर दिया है।

तीन दिन पहले कांग्रेस के विधायक और वरिष्ठ राजनेता सुदीप रॉयबर्मन ने घोषणा की थी कि वह भाजपा के आतंक के शासन को खत्म करने के लिए सभी विपक्षी दलों से एकजुट होने की अपील करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि भाजपा के शासनकाल में त्रिपुरा में आतंक, हिंसा और भ्रष्टाचार का बोलबाला है और ऐसे में लोग अपने लोकतांत्रिक अधिकारों को भी खो चुके हैं यहां तक कि उन्हें अपने पसंद से मत देने का भी अधिकार नहीं है।

- त्रिपुरा में आगामी विधानसभा उपचुनावों के मद्देनजर कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच चुनावी रस्साकशी शुरू

कांग्रेस के इस कवायद पर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस के इस कदम के पक्ष में पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता माणिक सरकार ने गुरुवार को कहा 'यदि वह ये पहल करना चाहते हैं और सफलतापूर्वक इसकी इतिश्री करते हैं तो हमें कोई परेशानी नहीं है। हमारी पार्टी विधानसभा से लेकर अन्य जगहों पर भी मिलकर काम करने को तैयार है। अगर कोई इस मामले पर काम करना चाहता है तो हम अपने राजनीतिक हितों को एक ओर रखकर पहले उसका साथ देंगे। दूसरी ओर कांग्रेस और माकपा के इस तरह एक सुरबद्ध होने पर भाजपा के नेता और त्रिपुरा सरकार के प्रवक्ता सुशांत चौधरी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने अंदेशा जताया है कि यह दोनों दल आज गले मिलकर राज्य की जनता को एक बार फिर से साम्यवाद के चंगुल में फंसाना चाहते हैं जिसके चंगुल से राज्य को बड़े लंबे संघर्ष और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा भाजपा के मजबूत सहयोग के बल पर वर्ष 2018 में आजाद कराया गया था।

श्री रॉयबर्मन की तीखी आलोचना करते हुए श्री चौधरी ने कहा, 'मैंने 2008 और 2013 में श्री रॉयबर्मन और कांग्रेस के नेतृत्व में माकपा के खिलाफ चुनाव लड़ा लेकिन केंद्रीय नेतृत्व ने हमें कभी त्रिपुरा में विधानसभा चुनाव में जीत हासिल अनुमति नहीं दी। कांग्रेस ने त्रिपुरा में साम्यवाद का झंडा बुलंद करने को राज्य को कम्युनिस्टों को लीज़ पर दे दिया था। आखिरकार 2018 में हमने फिर से भाजपा के साथ मिलकर साम्यवाद के खिलाफ चुनावी जंग लड़ी जिसमें आखिरकार माकपा को हराने में सफलता मिली।

सार संक्षेप

जम्मू में एसीबी ने रिश्वत लेते राजस्व अधिकारी को किया गिरफ्तार

जम्मू। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने शुक्रवार को भूमि दस्तावेज जारी करने के एवज में शिकायतकर्ता से रिश्वत मांगने और लेने के आरोप में एक राजस्व अधिकारी को गिरफ्तार किया। एसीबी के प्रवक्ता ने कहा कि टीम ने सरकारी राजस्व अधिकारी के दलाल के घर से नकदी जब्त कर ली है। नायब तहसीलदार अशोक शर्मा को 25 लाख रुपए की मांगने और फर्जी दस्तावेज जारी करने के लिए 1.5 लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। एसीबी ने जम्मू के अखनूर में नायब तहसीलदार के दलाल रमन गुप्ता के घर से नौ लाख रुपये भी बरामद किये हैं। प्रवक्ता ने कहा, अशोक शर्मा और उनके सहयोगियों के खिलाफ फर्जी दस्तावेज जारी करने के लिए रिश्वत मांगने की शिकायत मिली थी। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि उन्होंने तत्कालीन पटवारी हलका अखनूर खास अर्थात् रविंदर भगत से पहले मावा करौरा, सुंगल मोड़, अखनूर में स्थित अपनी पत्नी के नाम जमीन कराने के लिए आवेदन किया था।

कोविन्द ने मिश्र को जन्म दिन की दी बधाई

जयपुर। राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र को जन्म दिन पर बधाई और शुभकामनाएं दी है। कोविंद ने श्री मिश्र को फोन पर जन्म दिन की बधाई दी। उन्होंने अपनी शुभकामना में श्री मिश्र के व्यक्तित्व को प्रेरणादायी बताते हुए उनके स्वस्थ और दीर्घ जीवन के लिए मंगलकामना की। राज्यपाल के जन्म दिन पर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी फोन कर श्री मिश्र को बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया के जरिए श्री मिश्र को उनके जन्म दिन की मंगलकामना और बधाई दी।

ईडी के सामने पेश हुए राउत

मुम्बई। महाराष्ट्र में शिवसेना के नेता संजय राउत मनी लाउंड्रिंग के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष शुक्रवार को पेश हुए। अपने वकील के साथ ईडी कार्यालय में प्रवेश करते समय श्री राउत ने कहा, मुझे किसी बात का डर नहीं क्योंकि मैंने अपनी जिंदगी में कोई गलत काम नहीं किया। ये सब राजनीतिक तमाशा है और हमें इसके बारे में बाद में पता चलेगा। मैं महसूस कर रहा हूं कि मैं एक निष्पक्ष एजेंसी में जा रहा हूं और मैं उनपर पूरी तरह से भरोसा करता हूं।, सूत्रों के अनुसार ईडी के अधिकारी यहां गोरेगांव में पटरा चॉल के पुनर्विकास से जुड़े एक मामले में श्री राउत की संलिप्तता को लेकर और उनकी पत्नी के कुछ वित्तीय लेने में कथित रूप से शामिल होने को लेकर सवाल पूछेंगे।

एकल नेतृत्व के आने पर पार्टी में नहीं होंगे अनबझागन: शेखर

पुड्डुचेरी, 1 जुलाई (एजेंसियां)। अन्नाद्रमुक (पश्चिम) के सचिव ओम शक्ति शेखर ने शुक्रवार को कहा कि एकल नेतृत्व के आने पर पार्टी (पूर्व) के सचिव ए अनबझागन पार्टी में नहीं होंगे।

श्री शेखर ने पत्रकारों से कहा कि चार व्यक्ति पार्टी और अदालत का नेतृत्व पाने की कोशिश कर रहे हैं और चुनाव आयोग को पार्टी नेतृत्व का फैसला करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह पार्टी का झंडा और चिह्न रखने वालों के साथ रहेंगे। उन्होंने कहा कि अगर आमंत्रित किया गया तो वह 11 जुलाई को पार्टी की आम सभा में शामिल होंगे। उन्होंने साथ ही यह आशंका भी व्यक्त की कि आम सभा की बैठक हो पाएगी या नहीं। उन्होंने इस बात पर भी आश्चर्य जताया कि पार्टी के नेता ओ पनीरसेल्वम की पत्नी की अस्थियों के साथ पूजा करने वाले अनबझागन ने पार्टी मुख्यालय के बैनरों से अपनी तस्वीरें क्यों फाड़ दीं। श्री शेखर ने कहा कि उन्होंने पार्टी की इस असाधारण स्थिति पर चुप रहना पसंद किया और कहा कि उन्हें मीडिया से मिलने के लिए मजबूर किया गया क्योंकि श्री अनबझागन ने अपने अन्नाद्रमुक (पश्चिम) क्षेत्र से आम सभा के सदस्यों को 'खरीदने' की कोशिश की। उन्होंने आरोप लगाया कि अनबझागन ने कुछ लाभ प्राप्त करने के बाद पार्टी में संकट के समय वफादारी बदल ली। उन्होंने कहा कि जब अन्नाद्रमुक में जयललिता समूह और जानकी समूह का उदय हुआ तो श्री अनबझागन जानकी समूह में शामिल हो गए तथा बाद में 2016 में सुश्री जयललिता की मृत्यु के बाद उन्होंने शशिकला का नेतृत्व स्वीकार कर लिया। शशिकला पार्टी महासचिव बनीं तो उन्होंने खुले तौर पर घोषणा की कि वह उनके नेतृत्व को स्वीकार नहीं करेंगे और इसके बाद उन्हें पार्टी से हटा दिया गया था। श्री अनबझागन ने बाद में टी टी वी दिनाकरण का भी समर्थन किया और जब पार्टी एकजुट हुई तो वह फिर पार्टी में शामिल हो गए।

शेखर ने कहा कि पार्टी के नेता ओ पन्नीरसेल्वम और ई के पलानीसामी को मिल कर पार्टी नेतृत्व पर निर्णय लेना चाहिए जो पार्टी के लिए अच्छा होगा। मजबूरी के साथ भी एक नेतृत्व नहीं होना चाहिए।

इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स फॉर अफर्मेटिव एक्शन (ICCAA) ने सिंगल डेब्ट के साथ साझेदारी की

अकबर खान

मुंबई ,इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स फॉर अफर्मेटिव एक्शन (ICCAA) व सिंगल डेब्ट के साझेदार संजय दुबे और हरीश परमार ने मुंबई प्रेस क्लब में पत्रकारों से बात करते हुवे कहा की विभिन्न बैंकों से लिए गए लोन के श्व्ख्ख चुकाने के लिए आर्थिक रूप से संघर्ष कर रहे लोगों की मदत के लिए सिंगल डेब्ट व् इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स फॉर अफर्मेटिव एक्शन (ICCAA) मुंबई में सभी कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है बता दे की इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स फॉर अफर्मेटिव एक्शन (ICCAA) देश की नामी ग्रामी चैंबर्स में से एक है। ICCAA का एक उद्देश्य है की सहिता परधान करना जब की देखा गया है की कई बार बैंकों के नाम पर रिकवरी एजेंट लोन लेने वालों को परेशान करते हैं और धमकाते हैं। ऐसी स्थिति तब आती है जब लोन लेने वाले किसी वजह से वक्त पर किस्त नहीं भर पाते। ऐसी घटनाएं भी सामने

आती हैं जब बैंक के रिकवरी एजेंट लोन लेने वाले की गाड़ी या कोई सामान भी उठा लेते हैं। बिना कोर्ट के आदेश के या फिर ज़बरदस्ती करके मजबूर करते हैद्य

रिकवरी एजेंट जब कानून अपने हाथ में लेकर ग्राहकों को धमकाते रहते है ऐसी स्थिति में आपके सामने क्या-क्या विकल्प होते हैं। ऐसे में सिंगल डेब्ट ऐसे मामले को अपने वकीलों के साथ कानूनी लड़ाई लड़ता है बैंक, फाइनैंस कंपनी या लोन देनदार समय पर किस्त न मिलने पर ग्राहक या उसके रिश्तेदार को धमकाने लगते हैं। उनके पास रिकवरी एजेंट के फोन आते हैं, मानसिक प्रताड़ना या धमकी से गुजरना पड़ता है। ऐसी स्थिति में ग्राहक यानी लोन लेनदार सीधे http://SingleDebt.in सिंगल डेब्ट की मदद से शिकायत करसकता है शिकायत कर सकता है, जिसके बाद रिकवरी एजेंट के खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

जब बैंक आदि से लोन लिया जाता है तो बैंक और ग्राहक के बीच आर्बिट्रेशन ऐक्ट 1996 के तहत भी करार होता है किसी विवाद की स्थिति में मामला आर्बिट्रेटर के सामने जाएगा। ऐसी स्थिति में अगर किसी की किस्त का पेमेंट नहीं होता है तो बैंक या लोन देनदार संस्थान को अधिकार है कि वह आर्बिट्रेशन में मामला ले जाए और कॉम्पिटेंट अथॉरिटी के आदेश के तहत कानूनी कार्रवाई करे। आदेश के मुताबिक वह पुलिस की मदद से कार आदि उठा सकते हैं। साथ ही भुगतान न होने की स्थिति में बैंक व वित्तीय संस्थान रिकवरी के लिए सिविल कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं। संजय दुबे और हरीश परमार ने

ने बताया कि बैंक और रिकवरी एजेंट के लिए आरबीआई ने गाइडलाइंस भी जारी कर रखी हैं। इसके तहत अगर कोई भी बैंक किसी रिकवरी एजेंट की नियुक्ति करता है तो उसके पीछे मकसद यह होता है कि वह ग्राहक को किस्त देने के लिए मनाए। लेकिन किसी ग्राहक को फोन पर या सामने आकर धमकी नहीं दे सकते। इसके अलावा वह एजेंट ग्राहक के रिश्तेदार या दोस्त या पड़ोसी को भी फोन नहीं कर सकता। अगर वह धमकाए तो शिकायत संबंधित थाने में या फिर आरबीआई में की जा सकती है

के. श्रीनिवास राव को मिला एनटीआर राष्ट्रीय पुरस्कार

हैदराबाद, 1 जुलाई (भारत समाचार) राष्ट्रीय सामाजिक न्याय मंच तेलंगाना ओबीसी प्रवक्ता कुडुपुडी श्रीनिवास राव को श्री समुद्रला वेणुगोपाला चारी तेलंगाना प्रवक्ता दिल्ली ने व्यक्ति द्वारा सर्वश्रेष्ठ सामाजिक सेवा के लिए प्रतिष्ठित एनटीआर राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया । रविंद्र भारती में कीर्ति कला अकादमी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में उन्हें सम्मान दिया गया .पुरस्कार प्राप्त करने के बाद के श्रीनिवास राव ने अकादमी के सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया जिन्होंने पुरस्कार के लिए उनका नाम सुझाया। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह भविष्य में भी अपनी सामाजिक सेवाओं को जारी रखेंगे। इस कार्यक्रम में श्री दैवज्ञ शर्मा न्यूरोलॉजिस्ट ,जी श्यामा राव , धर्म राव, जगदीश और नागेश और अन्य उपस्थित थे।

कांग्रेस को नहीं भाजपा को है गरीबों की चिंता: शिवराज

भोपाल, 1 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज कांग्रेस पर गरीबों की चिंता नहीं करने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा ने हमेशा गरीबों की चिंता की, इनके लिए नि:शुल्क राशन, इलाज और आवास की व्यवस्था की गयी, गरीबों का कल्याण भाजपा की प्राथमिकता में है।

श्री चौहान ने भोपाल के नारियलखेड़ा में महापौर प्रत्याशी मालती राय के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि हमने माफियाओं से जो 21 हजार एकड़ जमीन बुलडोजर चलाकर छीनी है, वह सारी जमीन गरीबों में बाट दी जायेगी। मध्यप्रदेश के प्रत्येक वैध रूप से पट्टा देकर प्लाट का मालिक बनायेंगे, ताकि वे अपना घर बना सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की बहनों या बेटियों की तरफ किसी ने निगाह ऊठाई, तो बुलडोजर चलाकर तहस, नहस और नेस्तनाबूद कर देंगे। गरीब परिवारों के मेधावी बच्चों की मेडिकल, इंजीनियरिंग, लॉ, आईआईएम में एडमिशन होने पर उनकी

प्रदेश की बहनों या बेटियों की तरफ किसी ने निगाह ऊठाई, तो बुलडोजर चलाकर तहस, नहस और नेस्तनाबूद कर देंगे:-शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश

फीस माता-पिता नहीं, हमारी सरकार भरवायेगी। संबल योजना में हमने तय किया कि गरीब गर्भवती बहनों को प्रसव से पूर्व 4 हजार और प्रसव के पश्चात 12 हजार रुपए दिये जायेंगे। कांग्रेस सरकार ने गरीबों के कल्याण की इस योजना को बंद कर दिया था, जिसे हमने पुन: प्रारंभ किया है। पहले एक हजार बेटों पर 900 बेटियां जन्म लेती थीं, लेकिन अब लाडली लक्ष्मी योजना से एक हजार बेटों पर 970 बेटियां जन्म ले रही हैं और जब तक यह अंतर समाप्त नहीं हो जाता, तब तक चैन की सांस नहीं लेंगे।

श्री चौहान ने कहा कि नारियलखेड़ा में भाजपा का प्रत्याशी कभी नहीं जीता और भाजपा का प्रत्याशी जीतता तो विकास की बात करता। जीतने के बाद कांग्रेस का पार्षद यहां झांका तक नहीं। उन्होंने कहा कि पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्व महापौर आलोक शर्मा ने भोपाल को देश का दूसरा सबसे स्वच्छ शहर बनाकर दिखाया अब पार्टी ने एक साधारण कार्यकर्ता मालती राय को भोपाल की महापौर और नारियल खेड़ा के पार्षद प्रत्याशी देवेन्द्र भार्गव को जनता की सेवा करने की जिम्मेदारी सौंपी है, जिन्हें आप अपना आशीर्वाद देकर भारी मतों से विजयी बनायें।

उन्होंने कहा कि आज एक संकल्प के साथ यहां आए हैं, कि आपको नारियलखेड़ा की तकदीर और तस्वीर बदलकर दिखाएंगे। यहां बच्चों के लिए विद्यालय, यात्री प्रतिक्षालय और संत रविदास नगर की झुग्गियों में जो जहां रह रहा है, वहीं पट्टा बनाकर मकान बनाने की कार्यवाही की जायेगी।

गुजरात ने ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ा 99.97 फीसदी ग्राम पंचायतों को

गांधीनगर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार ने भारतनेट प्रोजेक्ट के माध्यम से 99.97 फीसदी ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी से जोड़ दिया है। श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया के जरिए 'नया भारत' के निर्माण के स्वप्न को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ते हुए गुजरात सरकार ने भारतनेट प्रोजेक्ट के माध्यम से 99.97 फीसदी ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी से जोड़ दिया है। राज्य में अभी भारतनेट प्रोजेक्ट के अंतर्गत 35,000 किलोमीटर से अधिक लंबाई वाले अंडरग्राउंड केबल बिछाए गए हैं। इस कनेक्टिविटी के कारण ग्रामीण क्षेत्रों सहित पूरे गुजरात में सभी सरकारी सेवाएं नागरिकों को घर बैठे ही प्राप्त होंगी।

गुजरात सरकार ने भारतनेट प्रोजेक्ट के माध्यम से 99.97 फीसदी ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी से जोड़ दिया

गुजरात के लिए यह गर्व की बात है कि फिलहाल राज्य के 'स्टेटलेड' मॉडल से देश के 9 राज्यों में भारतनेट-2 का कार्यान्वयन किया जा रहा है। इस उपलब्धि पर उन्होंने कहा, 'गुजरात ने 'जहां मानव, वहाँ सुविधा' के मंत्र को साकार करने के लिए विभिन्न डिजिटल प्रोजेक्ट शुरू किए हैं। राज्य की लगभग सभी ग्राम पंचायतों में ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी की सुविधा पहुँच चुकी है।

इससे दूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग भी अब विभिन्न सरकारी सेवाओं का लाभ सुलभता से ले सकेंगे। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि राज्य के प्रत्येक नागरिक तक सरकारी सेवाओं की डिजिटल पहुंच हो।

संकट

ओवरग्राउंड वर्करों की संख्या सुरक्षा एजेंसियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती

बंदूकधारी आतंकी नहीं, हाइब्रिड आतंकी, ओवर ग्राउंड वर्कर और पत्थरबाज हैं असली खतरा कश्मीर में सुरक्षाबलों के लिए

जम्मू, 1 जुलाई (एजेंसियां)। यह चौंकाने वाला तथ्य है कि कश्मीर में आतंकवाद के मोर्चे पर तैनात सुरक्षाबलों के लिए असली खतरा बंदूकधारी आतंकी नहीं बल्कि उनके ओवर ग्राउंड वर्कर तथा पत्थरबाजों के अतिरिक्त हाइब्रिड आतंकी हैं जिनकी संख्या हजारों में है। ऐसे में अब सुरक्षाबल आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई की ओर ध्यान न देकर हाइब्रिड आतंकियों, पत्थरबाजों तथा ओवर ग्राउंड वर्करों के खिलाफ मुहिम छेड़े हुए है।

करीब तीन सालों से कश्मीर में पुन: चलाए जा रहे कासो अर्थात तलाशी अभियानों में सुरक्षाबलों का जोर आतंकियों की धर पकड़ की ओर नहीं है बल्कि ओवर ग्राउंड वर्करों तथा पत्थरबाजों की तलाश की जाती है क्योंकि वे ही हाइब्रिड आतंकियों की भूमिका भी निभा रहे हैं। अधिकारियों ने इसे माना भी है कि इन तलाशी अभियानों में अगर कोई ओवर ग्राउंड वर्कर मिल जाता है तो समझो दो-चार आतंकियों का खात्मा पक्का है क्योंकि ये ओवर ग्राउंड वर्कर उस इलाके में सक्रिय आतंकियों के प्रति खबर रखते हैं। जबकि ओवर ग्राउंड वर्करों की गिरफ्तारी के साथ ही हाइब्रिड

आतंकी भी हत्थे चढ़ जाते हैं। अधिकारियों के मुताबिक, जम्मू कश्मीर में सुरक्षाबलों के लगातार बढ़ते दबाव के कारण सक्रिय आतंकियों की संख्या बेशक घट रही है मगर लगातार बड़ रहे आतंकियों के ओवरग्राउंड वर्करों (ओजीडब्ल्यू) की संख्या सुरक्षा एजेंसियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, पूरे प्रदेश में लगभग 346 आतंकी सक्रिय हैं, लेकिन उनके ओजीडब्ल्यू की 3286 हैं। हैरानगी की बात यह भी है कि जिन जिलों में एक भी आतंकी नहीं है, वहां भी उनके ओजीडब्ल्यू सक्रिय हैं।

कुद अरसा पहले प्रदेश पुलिस की अपराध शाखा द्वारा जारी की गई एक विभागीय रिपोर्ट में बताया गया था कि पूरी वादी में सिर्फ गांदरबल ही एकमात्र ऐसा जिला है, जहां कोई आतंकी नहीं है, लेकिन 38 ओजीडब्ल्यू सक्रिय हैं। इसी तरह जम्मू संभाग के जम्मू, सांबा व ऊधमपुर जिलों में न कोई आतंकी है और न कोई ओजीडब्ल्यू, लेकिन रियासी, डोडा व रामबन में बेशक कोई आतंकी नहीं हैं, लेकिन इन तीनों जिलों में 370 ओजीडब्ल्यू काम कर रहे हैं।

अधिकारियों ने बताया कि ओजीडब्ल्यू आतंकियों से ज्यादा खतरनाक होते हैं। यह रहते आम लोगों की तरह हैं, लेकिन आतंकियों के लिए काम करते हैं। यह न सिर्फ आतंकियों तक सुरक्षाबलों की सूचनाएं पहुंचाते हैं, बल्कि उनके लिए हथियारों, पैसों और सुरक्षित ठिकाने बंदोबस्त करते हैं। आतंकियों के लिए महत्वपूर्ण जगहों की रैकी करते हैं। कई बार तो आतंकी हमले का समय और जगह का चयन करने से लेकर पूरी साजिश यही ओजीडब्ल्यू रचते हैं। जबकि कई बार वे खुद हाइब्रिड आतंकी की भूमिका में सुरक्षाबलों को नुक्सान पहुंचाते हैं। इसी तरह पत्थरबाज भी खतरनाक माने जा रहे हैं। दरअसल आतंकी बनने के सफर का पहला पड़ा पत्थरबाजी ही माना जाता है। यह देखा गया है कि कई पत्थरबाज पहले पत्थरबाजी में हाथ जमा कर फिर ओवर ग्राउंड वर्कर की भूमिका निभाते हुए फिर बंदूक थाम लेते हैं। ऐसे में कश्मीर में सुरक्षाबलों के लिए आतंकियों से अधिक खतरा पत्थरबाजों और ओजीडब्ल्यू से है जिससे निपटने को वे पूरा जोर तो लगा रहे हैं लेकिन अक्सर कामयाबी हाथ से फिसल जाती है।

दिल्ली में एसयूपी वस्तुओं पर प्रतिबंध के उल्लंघन पर एक लाख तक का जुर्माना या जेल की सजा : राय

- दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने त्यागराज स्टेडियम में किया प्लास्टिक विकल्प मेले का उद्घाटन
- एसयूपी वस्तुओ पर लगाए प्रतिबन्ध पर निरिक्षण के लिए 48 टीमों का किया गया गठनः गोपाल राय

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि शुक्रवार से पूरे देश में सिंगल यूज़ प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा दिया गया है , पहले चरण में प्रतिबंध के दायरे में 19 वस्तुओं को शामिल किया गया है। दिल्ली सरकार ने इसके लिए एक व्यापक कार्ययोजना तैयार की है। एक तरफ जहां सरकार सिंगल यूज़ प्लास्टिक के विकल्प को बढ़ावा देने के लिए तमाम कदम उठा रही है। वही दूसरी तरफ इसके प्रतिबंध को लागू करने के लिए डीपीसीसी तथा राजस्व विभाग द्वारा एनफोर्समेंट टीम का गठन किया है।

जिसमें डीपीसीसी की 15 और राजस्व विभाग की 33 टीमें एसयूपी वस्तुओ पर प्रतिबन्ध का निरिक्षण करने का कार्य करेंगी। इसके तहत 10 जुलाई तक एसयूपी प्रतिबन्ध का उल्लंघन करने वालो को चेतावनी नोटिस जारी किए जाएंगे और उसके बाद उनके खिलाफ इन टीमों के द्वारा दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही एसयूपी वस्तुओं पर प्रतिबंध का उल्लंघन करने पर पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत 1 लाख रुपए तक का जुर्माना या 5 साल तक की जेल की सज़ा भी होगी।

दिल्ली में सिंगल यूज़ प्लास्टिक के विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए शुक्रवार को त्यागराज स्टेडियम में शुरू किया गया प्लास्टिक विकल्प मेला। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय द्वारा शुक्रवार को इस प्लास्टिक विकल्प मेले का उद्घाटन किया गया। यह मेला त्यागराज स्टेडियम में 3 जुलाई तक लग रहा है, जिसमे सिंगल यूज़ प्लास्टिक के विकल्पों पर काम कर रही कम्पनियां, स्टार्ट अप्स और उत्पादक अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई हुई है। इस मेले का मुख्य उद्देश्य सिंगल यूज़ प्लास्टिक प्रतिबन्ध को लागू करने के साथ साथ लोगो में एसयूपी के विकल्पों के लिए जागरूकता अभियान शुरू करना है।

दिल्ली बनी प्रदूषण के खिलाफ फाइटर सिटी नंबर वनः गोपाल राय

प्लास्टिक विकल्प मेले में आए बच्चो और दर्शको को संबोधित करते हुए पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली सरकार मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली को प्रदूषण के खिलाफ में भारत में नंबर वन शहर बनाने के लिए चौबीसो घंटे कार्यरत है। ऐसे में देखा गया है कि प्रदूषण को बढ़ावा देने में सिंगल यूज़ प्लास्टिक भी एक एहम भूमिका निभाता हैं और आज से जब पुरे भारत में सिंगल यूज़ प्लास्टिक से बने 19 वस्तुओ पर बैन लगाया गया है , तो ऐसे में दिल्ली सरकार एसयूपी वस्तुओ पर बैन लगाने के लिए टू लाइन एक्शन प्लान पर कार्य कर रही है – 'एनफोर्समेंट के साथ समाधान' । दिल्ली सरकार ने आज से इस प्लास्टिक विकल्प मेले की शुरुआत की है ताकि लोगो को एसयूपी वस्तुओ से सम्बंधित प्रतिबन्ध से पहले उनके विकल्पों के बारे में भी जानकारी दी जा सकें।

कल आयोजित किया जाएगा राउंड टेबल कांफ्रेंस

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि यह तीन दिवसीय मेला सिंगल यूज़ प्लास्टिक के अन्य विकल्पों को उत्पादन करने वाली कंपनी ,स्टार्ट अप्स और सेल्फ हेल्प ग्रुप्स के लिए एक प्लेटफार्म देने के साथ साथ सिंगल यूज़ प्लास्टिक के अन्य ईको फ्रेंडली विकल्पों को बढ़ावा देने का कार्य भी करेगा। सिंगल यूज़ प्लास्टिक के अन्य विकल्पों के बारे में और जानकारी लोगो के बीच साझा हो सकें इसलिए 3 जुलाई को सभी स्टॉक होल्डर के साथ राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। साथ ही जो भी लोग सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उत्पादन से जुड़े हुए हैं, उनके लिए भी सरकार इस मेले में नई ग्रीन स्टार्टअप पॉलिसी ला रही है ताकि वह सिंगल यूज़ प्लास्टिक के अन्य विकल्पों के व्यवसाय में जुड़ सकें और सरकार इसके लिए उनको सहायता भी प्रदान करेगी।

दिल्ली के थोक बाजार अर्थव्यवस्था की बड़ी ताकतः सिसोदिया

दिल्ली देश के सबसे पुराने होलसेल मार्केटों का हब है और ये मार्केट दिल्ली को एक पहचान देते हैं। साथ ही बड़ी आबादी को रोजगार प्रदान करने वाली दिल्ली की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं: मनीष सिसोदिया

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। थोक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली सरकार राजधानी में होलसेल शापिंग एक्सपो शुरू करने की योजना बना रही है। शुक्रवार को वित्तमंत्री मनीष सिसोदिया ने इसकी प्रगति की समीक्षा करने के लिए अधिकारियों के साथ बैठक भी की। उन्होंने कहा कि दिल्ली देश के सबसे पुराने होलसेल मार्केटों का हब है और ये मार्केट दिल्ली को एक पहचान देते हैं। साथ ही बड़ी आबादी को रोजगार प्रदान करने वाली दिल्ली की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। दिल्ली के होलसेल बाजार अर्थव्यवस्था की बड़ी ताकत है। होलसेल शापिंग फेस्टिवल के जरिये दिल्ली सरकार इन बाजारों की पहचान और प्रतिष्ठा को और बढ़ाने तथा उनके व्यापार को बढ़ावा देने का काम करेगी।

सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली के होलसेल मार्केट अपने आप में ब्रांड हैं और दुनिया भर से लोग यहां आने और इन बाजारों में खरीदारी करने के लिए आकर्षित होते हैं। इन्हें एक नई पहचान देने के लिए दिल्ली में होलसेल शापिंग फेस्टिवल के आयोजन व मार्केटिंग के माध्यम से इनकी पहुंच को बढ़ाने और उन्हें दूरदराज के उपभोक्ताओं की पहुंच के भीतर ले जाने में मदद करेंगे।

इच्छुक थोक विक्रेताओं को रियायती दरों पर उपलब्ध करवाई जाएगी जगह

सिसोदिया ने आगे कहा कि दिल्ली के होलसेल मार्केटों में देश भर के व्यवसायों और खरीददारों को आकर्षित करने के लिए 10-14 दिन के लिए होलसेल शापिंग फेस्टिवल का आयोजन होगा। एक्सपो में भाग लेने के इच्छुक सभी थोक विक्रेताओं को रियायती दरों पर जगह उपलब्ध करवाई जाएगी। थोक विक्रेताओं के व्यापार को बढ़ावा देने और दिल्ली को थोक और व्यापार का केंद्र बनाने के इरादे से, होलसेल मार्केट एक्सपो महत्वपूर्ण योगदान निभाएगा।

बिक्री पर टैक्स रिफंड और छूट सहित दिए जाएंगे इन्सेन्टिव

एक्सपो में भाग लेने के लिए सभी प्रमुख होलसेल मार्केटों को आमंत्रित किया जाएगा। खरीदारों को आकर्षित करने और थोक विक्रेताओं के व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए भारत और दुनिया भर में बड़े स्तर पर विज्ञापन व मार्केटिंग कैम्पेन चलाए जाएंगे। एक्सपो के दौरान होने वाली बिक्री पर टैक्स रिफंड और छूट सहित कई तरह के इन्सेन्टिव दिए जाएंगे और दिल्ली में थोक विक्रेताओं से खरीदारी के लिए इसे आकर्षक बनाने के लिए अन्य वित्तीय प्रोत्साहन दिए जाएंगे।

सार संक्षेप

एनडीएमसी ने सड़कों की कटाई और खुदाई पर रोक लगाई

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने मानसून के मौसम को देखते हुए सड़क काटने और खोदने पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। यह प्रतिबंध 01 जुलाई से 30 सितंबर तक लागू रहेगी। हालांकि यह प्रतिबन्ध आपातकालीन स्थिति में पूर्व अनुमति लेकर किये जाने वाले कार्यों पर लागू नही होगा तथा इनके अतिरिक्त सभी शेष अन्य कार्यों पर लागू रहेगा । नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने यह भी निर्णय लिया है कि जनता को किसी भी तरह की असुविधा से बचाने के लिए मानसून के मौसम को ध्यान में रखते हुए किसी भी सड़क की कटाई जो पहले से ही चल रही है, उस स्थान को साफ-सुथरा, समतल और अच्छी तरह से बहाल किया जाएगा। किसी भी मामले में, जहां पालिका परिषद क्षेत्र के लिए सड़क काटने या खोदने की अनुमति पहले ही दी जा चुकी है, लेकिन जमीन पर कोई काम अभी तक शुरू नहीं हुआ है, वहां भी सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति से आपातकालीन कार्य को छोड़कर, सड़क काटने या खोदने की प्रतिबंध अवधि के दौरान किसी भी सड़क कटाई या खुदाई की अनुमति नहीं दी जाएगी।

मायबिलबुक ने एमएसएमई दिवस पर एमएसएमई एंथम किया लॉन्च

नई दिल्ली। नियोबैंकिंग स्टार्टअप फ्लोबिज़ की ओर से भारत के अग्रणी जीएसटी बिलिंग एवं अकाउन्टिंग सॉफ्टवेयर मायबिलबुक ने भारत के विकास की कहानी तथा आत्मनिर्भर भारत मिशन में एमएसएमई के योगदान का जश्न मनाते हुए एमएसएमई एंथम- तुम कमाल हो का लॉन्च किया है। एमएसएमई दिवस 2022 के मौके पर मायबिलबुक के ब्राण्ड अम्बेसडर और बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता मनोज बाजपेई ने इस एंथम का अनावरण किया। गौरतलब है कि हर साल 27 जून को एमएसएमई दिवस मनाया जाता है। यह एंथम इस बात पर प्रकाश डालता है कि रोज़मर्रा के संचालन में एमएसएमई को किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और कैसे वे आधुनिक समाधानों के ज़रिए इन चुनौतियों को हल करते हैं। एंथम का चार मिनट का वीडियो भारत के एमएसएमई की उम्मीद, महत्वाकांक्षा, संघर्ष और अदम्य भावना को दर्शाता है। इन लघु एवं मध्यम उद्यमों में थोक विक्रेता, वितरक, छोटे पैमाने के निर्माता, जनरल स्टोर्स, अपना काम करने वाले कारोबारी, सेवा प्रदाता, रीटेलर शामिल हैं जो अपने आप पर पूरा भरोसा रखते हुए देश की अर्थव्यवस्था में योगदान देते हैं। एंथम के बोल एमएसएमई के रोज़मर्रा के संचालन, उनकी चुनौतियों से ताल्लुक रखते हैं।

निगम ने मच्छरजनित रोगों की रोकथाम के लिए जागरूकता कार्य क्रम आयोजित किया

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम ने डेंगू, चिकनगुनिया, मलेरिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम एवं बचाव के लिए जामिया विश्वविद्यालय में एक जनजागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया। मानसून आगमन के साथ ही जलजमाव होने के कारण मच्छरों का प्रजनन बढ़ जाता है जिसके चलते इनसे होने वाली बीमारियों की संभावना भी बढ़ जाती है। निगम के जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने जनजागरुकता अभियान को संबोधित करते हुए कहा कि डेंगू,मलेरिया, चिकुनगुनिया से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका मच्छरों की स्त्रोत पर रोकथाम है। उन्होंने मच्छरों के प्रजनन वाली जगहों को चिन्हित कर उनको नष्ट करने पर बल दिया। दिल्ली नगर निगम मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए प्रतिबद्ध है। निगम के जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि हम सब मिलकर इनसे छुटकारा पा सकते हैं। सभी विभागों को मिलकर आपसी तालमेल से डेंगू,मलेरिया जैसी बीमारियों से लड़ना होगा। मच्छर जनित बीमारियों से बचाव का सबसे कारगर तरीका इनके प्रजनन स्थानों को नष्ट करना है।

सिंगल यूज प्लास्टिक बैन होने के बाद दिल्ली के प्रदूषण में आएगी कमी :आदेश गुप्ता

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने सिंगल यूज प्लास्टिक बैन करने के लिए केंद्र की मोदी सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा कि दिल्ली में उपयोग होने वाला ज्यादातर सिंगल यूज प्लास्टिक वेस्ट इन्फॉर्मल सेक्टर में जा रहा है। कई प्लास्टिक ऐसी हैं, जिन्हें कोई लेने को तैयार नहीं है। इनमें खाने के सामानों के पैकेट, नूडल्स के पैकेट, बिस्किट और चिप्स के मल्टी लेयर पैकेट आदि शामिल हैं। ये सभी दिल्ली की लैंडफिल साइटों पर ही जाता है। उन्होंने कहा कि यह प्लास्टिक लैंडफिल साइट में पड़े-पड़े मिट्टी, पानी आदि को प्रदूषित कर रहा है। ऐसे में इनके बैन होने से राजधानी में प्रदूषण को कम करने में सहायता मिलेगी। आदेश गुप्ता ने दिल्ली में आज से सिंगल यूज प्लास्टिक बैन होने पर केजरीवाल सरकार से सवाल किया कि केंद्र सरकार द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक पर बैन लगाए जाने के बाद केजरीवाल सरकार द्वारा दिल्ली की जनता को इसके विकल्प के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोग मार्केट में समान खरीदने के लिए जा रहे हैं लेकिन प्लास्टिक की जगह केजरीवाल सरकार द्वारा कोई विकल्प दुकानदारों को अभी तक न देने से उन्हें बिना समान लिए वापस आना पड़ रहा है। व्यापारी परेशान हैं कि उन्हें इन आइटमों के विकल्प महंगे तो मिल ही रहे हैं लेकिन डिमांड के अनुरूप भी नहीं मिल रहे हैं। अभी व्यापारी जितना ऑर्डर करते हैं उसका सिर्फ 20 फीसदी भी ऑर्डर नहीं मिल पा रहा है। इसका कारण है कि प्लास्टिक की जगहों पर जो विकल्प उपलब्ध है उनका चेन सिस्टम सही नहीं है और वे महंगें भी हैं। ऐसे में आने वाले समय में आम जनता के ऊपर इसका भी बोझ बढ़ने वाला है। प्लास्टिक के विकल्पों की कालाबाज़ारी भी शुरु हो चुकी है जिससे चीजें और महंगी होंगी।

सिंगल यूज प्लास्टिक बैन के मद्देनजर निगम ने जब्त की प्लास्टिक

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम ने सिंगल यूज प्लास्टिक बैन के मद्देनजर गुरुवार को 689.01 किलो प्लास्टिक की वस्तुओं को जब्त किया और 368 चालान किए। सिंगल यूज प्लास्टिक बैन वस्तुओं में प्लास्टिक की छड़ें, गुब्बारों के लिए प्लास्टिक की छड़ें, प्लास्टिक के झंडे, कैंडी की छड़ें, आइसक्रीम की छड़ें, सजावट के लिए पॉलीस्टायरीन , प्लेट, कप, गिलास, कांटे की चम्मच, चम्मच, चाकू, स्ट्रॉ, ट्रे, रैपिंग या मिठाई के बक्सों पर पैकेजिंग फिल्म, निमंत्रण कार्डों, सिगरेट के पैकेटों, 100 माइक्रोन से कम प्लास्टिक या पीवीसी बैनरों और स्टिरर शामिल है। निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार प्रतिबंधित वस्तुओं के भंडारण, बिक्री और उपयोग को समाप्त करने के लिए क्षेत्रीय स्तर पर कुल 125 प्रवर्तन दल गठित किए गए हैं। दिल्ली नगर निगम प्रतिबंध को लागू करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रहा है।

दिल्ली में घटी कोरोना संक्रमण दर, 3 ने तोड़ा दम

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली में कोरोना संक्रमण दर तेजी से घट रही है। राहत की बात यह है की संक्रमित के मुकाबले ठीक होने वाले मरीजों की संख्या बढ़ गई है। लेकिन मौत के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार शुक्रवार को कोरोना के 813 नए मामले सामने आए, वहीं 1021 मरीजों को छुट्टी दी गई। जबकि 3 मरीज़ ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया है। दिल्ली में। कोरोना की जांच के लिए 15339 टेस्ट हुए जिसमे 5.30 फीसदी लोग संक्रमित पाए गए। दिल्ली में अभी तक 1935687 लोग संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 1905720 मरीज ठीक हो गए हैं जबकि 26264 मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में कोरोना से मृत्युदर 1.36 फीसदी है। विभाग के अनुसार दिल्ली में घटते कोरोना के मामलों के साथ एक्टिव की संख्या 3703 रह गई है। इनमें से 2672 मरीज होम आइसोलेशन में जबकि 218 मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें से 79 आईसीयू में, 70 मरीज ऑक्सीजन सपोर्ट पर और 7 मरीज वेंटिलेटर पर भर्ती हैं। दिल्ली में घटते मामलों के साथ हॉटस्पॉट की संख्या घटक 386 रह गई है।

24 घंटे में 813 नए मामले

फंगल इन्फेक्शन शरीर के लिए हानिकारक है: डॉ विशागन

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की प्रमुख फार्मास्युटिकल कंपनियों में से एक एपेक्स लेबोरेटरीज प्रा लि ने इट्राकोनाजोल कैप्सूल सुप्रा बायोअवेलेबल 65 और 130 मिलीग्राम का एक एडवांस रूप बाजार में उतारा है। लांच किया गया यह नया कैप्सूल फंगल इन्फेक्शन को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने में सक्षम है। सुप्रा बायोअवेलेबल इट्राकोनाजोल कैप्सूल कम डोज पर, बायोलॉजिकल सिस्टम को एक्टिव मेडिसिन का उच्च प्रतिशत प्रदान करता है। यह एडवांस कैप्सूल हर व्यक्ति में समान रूप से काम करता है इसलिए इससे फंगल इन्फेक्शन से निजात पाने में मदद मिलती है। एपेक्स लेबोरेटरीज प्रा लि के डायरेक्टर विशागन ने नए कैप्सूल लांच पर अपनी राय रखते हुए कहा की इट्राकोनाजोल फंगल इन्फेक्शन के लिए एक प्रभावी दवा है। इस पर हुए कई अध्ययनों से पता चलता है कि इसकी ब्लड कंसेन्ट्रेशन में खराब अवशोषण और वैरियेबिलिटी जैसी कमिया हैं। किसी भी दवा के लिए बेहतर क्लीनिकल प्रभाव उत्पन्न करने के लिए उसका अवशोषण मिनिमल इंटर-इंडीविज्युवल वेरिअबिलिटी के साथ बेहतर होना चाहिए।

पूरी दुनिया में फंगल इन्फेक्शन एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति से फैलने के कारण हमारे हेल्थकेयर ईकोसिस्टम पर काफी ज्यादा बोझ बढ़ रहा है। फंगल इन्फेक्शन आम तौर पर सतह से फैलते हैं, गंभीर असर डालते हैं और पूरे शरीर में भी फैलते हैं। इस तरह के इन्फेक्शन का प्रभाव त्वचा, बालों और नाखूनों के सतही संक्रमण से लेकर मस्तिष्क, हृदय, लीवर, फेफड़े, प्लीहा और किडनी संक्रमण तक होता है।

इस्तेमाल किए जा चुके तेल का होगा उचित निपटारा

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। शेल ने यूज्ड ऑयल मैनेजमेंट सर्विस की शुरुआत की। यह भारत में इस्तेमाल किए जा चुके तेल के निपटाने की प्रणाली को व्यवस्थित बनाने और रि-रिफाइनिंग की दर को बढ़ाने का एक नया प्रयास है, ताकि कचरे को कम करते हुए सर्कुलर इकोनॉमी के लक्ष्यों को हासिल किया जा सके। इस मौके पर मानसी त्रिपाठी, वाइस प्रेसिडेंट, शेल लुब्रिकेंट्स एशिया पैसिफिक ने कहा की हम भारत में उद्योग के पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव के साथ-साथ कचरे को कम करने की प्रक्रिया को किस तरह आगे बढ़ा रहे हैं। हमारा लक्ष्य लुब्रिकेंट्स में सर्कुलर इकोनॉमी को स्थापित करने में अहम भूमिका निभाने और इस सेवा के लिए वृद्धि की संभावनाएं तलाशना है, ताकि कचरे को कम किया जा सके और इस तरह कुल उत्सर्जन को कम करने में मदद मिल सके।

देबांजलि सेनगुप्ता, कंट्री हेड, शेल लुब्रिकेंट्स इंडिया ने कहा, सॉल्यूशन आधारित ग्राहक केंद्रित संगठन होना हमारे कारोबारी मॉडल का मुख्य उद्देश्य है। यह प्रयास उन्हीं मूल्यों को दोहराता है और इससे हमें अपने ग्राहकों को लुब्रिकेंट्स से आगे बढ़कर व्यापक सेवाएं उपलब्ध कराकर उन्हें सहायता देने में मदद मिलेगी। यह तथ्य और भी महत्वपूर्ण है कि अब हमारे पास सर्कुलर इकोनॉमी की ओर बढ़ने की दिशा में पहला कदम बढ़ाने का अवसर है।

प्रथम गोरखा मेजर दुर्गा मल्ल शहीद की 109 वीं जयंती

अब्दुल कलाम/संवाददाता
फ़ैक्ट इंडिया न्यूज़

नई दिल्ली, 1 जुलाई आजाद हिन्द फौज के प्रथम गोरखा सैनिक अमर शहीद मेजर दुर्गा मल्ल की आज 109 वीं जयंती है। जंग ए आजादी के इस सूरमा ने आज़ाद हिन्द फौज में रहते हुए ब्रितानिया हुकूमत से लोहा लिया और उनके दांत खट्टे कर दिए। जिसके बलिदान की वीरगाथा और शौर्य से पूरा नॉर्थ ईस्ट ही नही बल्कि पूर्वोत्तर भारत के लोग आज भी गौरवान्वित महसूस करते है।

शहीद मेजर दुर्गा मल्ल ने अपना बलिदान देकर उत्तराखंड ही नहीं, पूरे देश का गौरव बढ़ाया। अपने प्राणों का बलिदान देकर उन्होंने आजादी के संघर्ष को धार दी। भारत की स्वतंत्रता के लिए युवावस्था से ही आंदोलनों में भाग लेकर संघर्ष करना शुरू कर दिया था। अंग्रेजों के आगे सीना तानकर उन्होंने आजादी के लिए अपना बलिदान दिया। जंगे ए आजादी के संघर्ष में मेजर शहीद दुर्गामल्ल ने निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने युवाओं को आजादी के संघर्ष से जोड़ने का काम किया। शहीद दुर्गा मल्ल की देशप्रेम की भावना को युवाओं को आत्मसात करना चाहिए। रिज़वान रज़ा बताते है कि शहीद मेजर दुर्गा मल्ल ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के साथ मिलकर सिंगापुर में आजाद हिन्द फौज का गठन किया। जिसमें दुर्गा मल्ल की बहुत सराहनीय भूमिका रही। इसके लिए मल्ल को मेजर के रूप में पदोन्नत किया गया। उन्होने युवाओं को आजाद हिन्द फ़ौज में शामिल करने में बड़ा योगदान दिया। दुर्गा मल्ल को युद्धबंदी बनाने और मुकदमे के बाद उन्हें बहुत यातना दी गई। 15 अगस्त 1944 को उन्हें लाल किले की सेंट्रल जेल लाया गया और जहाँ 25 अगस्त 1944 को उन्हें फांसी के फंदे पर चढ़ा दिया गया। 17 जुलाई 2004 में संसद परिसर में शहीद दुर्गा मल्ल की प्रतिमा लगाई गई।

अभिनेत्री वामिका गब्बी ने कल्याण ज्वैलर्स के आउटलेट का किया उद्घाटन

- कल्याण ज्वैलर्स ने नई दिल्ली के कमला नगर में अपने नए शोरूम का उद्घाटन किया

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की सबसे बड़ी आभूषण कंपनियों में से एक, कल्याण ज्वैलर्स ने गुरुवार को नई दिल्ली के कमला नगर में अपने नए शोरूम का उद्घाटन किया। यह नया और शानदार शोरूम बंगला रोड पर स्थित है। ब्रांड की क्षेत्रीय ब्रांड एंबेसडर वामीका गब्बी ने कार्यकारी निदेशकों राजेश और श्रीरमेश कल्याणरामन के साथ-साथ कल्याण ज्वैलर्स के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, टी एस कल्याणरामन की उपस्थिति में इसका उद्घाटन किया।

शोरूम लॉन्च के बारे में बताते हुए, कल्याण ज्वैलर्स के पंजाब की क्षेत्रीय ब्रांड एंबेसडर वामिका गब्बी ने कहा की कल्याण ज्वैलर्स भारत के सबसे प्रतिष्ठित आभूषण ब्रांडों में से एक है और ऐसी कंपनी का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है जो आभूषण उद्योग में पारदर्शिता और नैतिक व्यवसाय पद्धतियों का नेतृत्व कर रही है। रमेश कल्याणरामन, कार्यकारी निदेशक कल्याण ज्वैलर्स ने कहा की यहां कमला नगर में हमारी 158वीं वैश्विक आउटलेट और दिल्ली एनसीआर में 11वें प्रोजेक्ट को लॉन्च करने की बेहद खुशी है। कस्टमर-फर्स्ट ब्रांड के रूप में, हमारा मानना है कि बाजार में लगातार विस्तार और निवेश से यह ब्रांड संरक्षकों के लिए और अधिक सुलभ बन सकेगा।

इस सीजन को अनोखे अंदाज में मनाते हुए, कल्याण ज्वैलर्स ने देश भर के ग्राहकों के लिए एक अनूठी पेशकश की है। इस बम्पर ऑफर के तहत, कल्याण ज्वैलर्स भारत के अपने किसी भी शोरूम में खरीदे गये प्रत्येक 10 ग्राम के गोल्ड ज्वेलरी पर आधा ग्राम सोना देंगे। ग्राहक 10 ग्राम से कम के आभूषणों की खरीद पर उनके मेकिंग चार्ज पर और 15 प्रतिशत की छूट का लाभ उठाकर अपने आभूषणों की खरीद पर तत्काल बचत कर सकते हैं, जो चुनिंदा आभूषणों पर लागू है।

छात्रों के लिए देशभक्ति, उद्यमिता मानसिकता पाठ्यक्रम मूल्यांकन के नए मानदंड

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के नए दिशानिर्देशों के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी में स्कूली छात्रों का अब अन्य शैक्षिक विषयों के साथ-साथ उनके व्यवहार में मानसिकता पाठ्यक्रम के प्रभाव के लिए मूल्यांकन किया जाएगा। शिक्षा निदेशालय के नए दिशानिर्देशों के मुताबिक, तीसरी से आठवीं कक्षा तक के छात्रों का मूल्यांकन हैप्पीनेस और देशभक्ति पाठ्यक्रमों के लिए किया जाएगा, जबकि नौवीं से 11वीं कक्षा तक के छात्रों का मूल्यांकन देशभक्ति उद्यमिता मानसिकता पाठ्यक्रम के लिए किया जाएगा। हालांकि 11वीं कक्षा के छात्रों के मूल्यांकन के लिए एक अतिरिक्त मानदंड होगा जो बिजनेस ब्लास्टर्स कार्यक्रम में उनकी भागीदारी से संबद्ध होगी। बिजनेस ब्लास्टर्स कार्यक्रम के तहत छात्रों को मुनाफा देने वाला एक विचार प्रस्तुत करने या किसी सामाजिक समस्या का हल करने के लिए 2,000 रूपए की शुरूआती रकम मुहैया की जाती है। नए मानदंड पहले से मौजूद मूल्यांकन नियमों के एक पूरक का काम करेंगे और वे सह-पाठ्यक्रम अकादमिक गतिविधियों पर आधारित होंगे। सिसोदिया ने कहा, हमने मूल्यांकन मानदंड में संशोधन किया है और आगे बढ़ रहे हैं, छात्रों का मूल्यांकन मुख्य पाठ्यक्रमों के उनके ज्ञान के अतिरिक्त उनकी क्षमताओं के आधार पर किया।

दखल

ब्रिक्स के भीतरी विरोधाभास

ब्रिक्स के गठन की नींव बीस साल पहले पड़ी थी। तब इसके पीछे मकसद अमेरिकी आर्थिक ढांचे से हट कर एक वैकल्पिक आर्थिक व्यवस्था का निर्माण करना था। यह विचार अच्छा था, पर इस पर ढंग से काम नहीं हो पाया। 2009 के बाद से ब्रिक्स के औचित्य पर ही सवाल खड़े किए जाने लगे। अब यूक्रेन युद्ध की वजह से वैश्विक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। चीन भारत पर इस बात के लिए दबाव बनाने की कोशिश करेगा कि वह यूक्रेन के मुद्दे पर रूस और चीन के साथ खड़ा हो।

हाल में ब्रिक्स देशों की 14वीं शिखर बैठक में सदस्य देशों ने अलग-अलग बातें कहीं। रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन ने अमेरिका और पश्चिमी देशों पर निशाना साधा और रूस पर आर्थिक प्रतिबंध थोपने की निंदा की। साथ उन्होंने मौजूदा वैश्विक आर्थिक संकट के लिए इन देशों को दोषी ठहराया। दूसरी तरफ सकारात्मक पहलू को रेखांकित करते हुए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व आर्थिक व्यवस्था को बेहतर और लोकतांत्रिक बनाने पर जोर दिया और महामारी से निपटने के लिए बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था को भी अपने भाषण का हिस्सा बनाया। जबकि चीन ने दुनिया को शीत युद्ध से बचने की नसीहत दी। दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील ने भी महामारी और उससे निपटने में ब्रिक्स के योगदान का जिक्र किया। इससे यह साफ हो गया कि ब्रिक्स के सदस्य देशों की प्राथमिकताएं क्या हैं। अगर संक्षेप में ब्रिक्स की सार्थकता और गतिशीलता को देखा जाए तो कई विसंगतियां और विरोधाभास सामने आते दिखाई देते हैं।

भारत और चीन के बीच जिस तरह का गतिरोध बना हुआ है और भारत को लेकर चीन का जो आक्रामक रुख कायम है, उससे ब्रिक्स की एकता कहीं न कहीं प्रभावित होती है। ताजा विवादों को लेकर चीन अपनी जिद पर अड़ा है। भारत ने 1950 से लेकर 2019 तक चीन की हर मुसीबत में साथ दिया। इसके बावजूद चीन की नजर में भारत एक सहयोगी नहीं, बल्कि विरोधी है, इस सोच ने दोनों देशों के बीच तल्खी पैदा कर दी। आज भारत को ब्रिक्स और पश्चिमी कूटनीति के बीच जिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है, वैसी स्थिति पहले शायद ही कभी बनी हो। लेकिन जिस कुशलता के साथ भारत ने क्वाड और ब्रिक्स में संतुलन साधा है, वह विदेश नीति के मोर्चे पर कम बड़ी बात नहीं है। जर्मनी में जी-7 देशों की बैठक में भी ब्रिक्स के दो सदस्य भारत और दक्षिण अफ्रीका मौजूद हैं। यह भी कि यूक्रेन युद्ध के मसले पर संयुक्त राष्ट्र में तटस्थ नीति छोड़ने भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका पर दबाव भी बनेगा। जबकि भारत बात स्पष्ट कर चुका है। ब्रिक्स की प्रासंगिकता का को लेकर भी सवाल उठ ही रहे हैं।

दरअसल चीन ब्रिक्स का विस्तार करने की कोशिश में लगा है। ब्रिक्स प्लस बनाने के पीछे चीन की योजना यही है कि वह अमेरिकी और पश्चिमी ताकतों के समांतर नया समूह खड़ा कर सके। लेकिन उसकी यह कोशिश क्या सिरे चढ़ पाएगी, यह बड़ा सवाल है। अगर ब्रिक्स का विस्तार होता है तो भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका की क्या भूमिका होगी, यह स्पष्ट नहीं है। गौरतलब है कि भारत अमेरिका के नेतृत्व वाले क्वाड समूह का भी महत्वपूर्ण सदस्य है। ब्रिक्स के गठन की नींव 20 साल पहले पड़ी थी। तब इसके पीछे मकसद अमेरिकी जनित आर्थिक ढांचे से हट कर एक वैकल्पिक आर्थिक व्यवस्था का निर्माण करना था। यह विचार अच्छा था, पर इस पर ढंग से काम नहीं हो पाया। इसलिए 2009 के बाद से ब्रिक्स के औचित्य पर ही सवाल खड़े किए जाने लगे। अब इस बात की आशंकाएं गहराती जा रही हैं कि कहीं ब्रिक्स के विस्तार की आड़ में इसके विघटन की शुरुआत न होने लगे। इसके कारण हैं। पहला कारण यह कि ब्रिक्स का विस्तार चीन अपने नक्शे कदम पर करना चाहता है।

उसकी कोशिश जी-20 संगठन से कुछ देशों को ब्रिक्स में शामिल करने की है। इसमें इंडोनेशिया भी है। गौरतलब है कि इंडोनेशिया को लेकर भारत के रिश्ते अच्छे हैं। चीन अफ्रीका के दो महत्वपूर्ण देशों- नाइजीरिया और सेनेगल को भी ब्रिक्स में शामिल करने की कोशिश करेगा। इनके शामिल होते ही संगठन में दक्षिण अफ्रीका की अहमियत घटने लगेगी। दक्षिण अफ्रीका की सहमति के बिना इनको खेमे में लेना ब्रिक्स के विघटन का कारण बन सकता है। इसी तरह अर्जेंटीना के ब्राजील से अच्छे रिश्ते नहीं है। अगर ब्राजील की सहमति के बिना अर्जेंटीना को ब्रिक्स में लिया गया तो यह भी कम पेचीदा स्थिति नहीं होगी। चीन की सूची में कई और भी देश हैं। चीन की पूरी कोशिश एक ऐसा नया खेमा खड़ने की है जो अमेरिका और उसके वर्चस्व वाले खेमे को चुनौती दे सके। दूसरा कारण यह है कि ब्रिक्स का आर्थिक आधार अभी भी बहुत कमजोर है।

अभी पांचों देशों की कुल आबादी तकरीबन दुनिया की 40 फीसद के करीब है। पांचों देशों की जीडीपी वैश्विक जीडीपी का एक चौथाई है। 25 लाख करोड़ डालर की अर्थव्यवस्था 18 लाख करोड़ तो केवल चीन का हिस्सा है, जबकि भारत साढ़े तीन लाख करोड़ के साथ दूसरे स्थान पर है। बाकी तीन देशों की स्थिति बेहद नाजुक है। वैश्विक महामारी में ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका काफी पीछे रह गए हैं। ब्रिक्स का आपसी व्यापार मुश्किल से बीस फीसद रह गया है। ऐसे हालात में इस बात की उम्मीद की जा सकती है कि ब्रिक्स यूरोपियन महासंघ या जी-7 की बराबरी कर पाएगा? तीसरी वजह यूक्रेन युद्ध ने एक नई मुसीबत खड़ी कर दी है। एक बार फिर से दुनिया दो खेमों में बंट गई है। नए शीत युद्ध का आगाज होता दिख रहा है। यूक्रेन युद्ध के कारण कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के दामों में भारी इजाफा हुआ है। दरअसल चीन इस युद्ध को लेकर अपनी चौकड़ी बनाने की कवायद में लगा है। सैन्य रूप से मजबूत रूस आर्थिक रूप से पूरी तरह से कमजोर पड़ता जा रहा है। युद्ध ने उसकी हालत और जर्जर बना दी है। इसलिए चीन रूस को लेकर एक ऐसा गुट बनाना चाहता है जो दुनिया का मठाधीश बनने के उसके सपने को पूरा कर सके। इसके लिए वह ताइवान पर हमले का पत्ता भी चलने को तैयार दिखता है।

चौथा कारण यह कि चीन तेजी से विस्तारवादी नीति पर चल रहा है। श्रीलंका, पाकिस्तान, मलेशिया, आस्ट्रेलिया और कई अफ्रीकी देश चीन की इस कुटिलता का दंश झेल रहे हैं। जहां तक सवाल है भारत का, तो भारत और चीन के बीच दो साल से गंभीर टकराव चल रहा है। हालांकि चीन इसे गंभीर सीमा विवाद के रूप में नहीं देख रहा, पर भारत के लिए यह बेहद नाजुक मसला बन गया है। भारत ने साफ कर दिया है कि विवादित स्थलों से पहले चीनी सेना की वापसी हो तभी और बातचीत संभव होगी। चीन ने पिछले कुछ वर्षों में जिस तरीके से वैश्विक व्यवस्था को अपने तरीके से संचालित करने की साजिश रची है, उससे दुनिया के तमाम देशों का चिंतित होना स्वाभाविक है। दुनिया के सामने कभी भी इतना डर और संशय नहीं रहा जितना कि आज इस बात को लेकर है कि चीन दुनिया का मुखिया बन गया तो क्या होगा?

अब यूक्रेन युद्ध की वजह से वैश्विक राजनीति के समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। चीन भारत पर इस बात के लिए दबाव बनाने की कोशिश करेगा कि वह यूक्रेन के मुद्दे पर रूस और चीन के साथ खड़ा हो। लेकिन भारत जिस तरह से तटस्थता की नीति पर चल रहा है, उसमें यह आसान नहीं है। ऐसे में अगर ब्रिक्स में चीन और रूस के दबाव में कुछ ऐसे निर्णय लिए जाते हैं जो दूसरे सदस्यों की सोच सके विपरीत होंगे, तो इससे ब्रिक्स में एक तरह की फूट पड़ सकती है और इसकी प्रासंगिकता पर सवाल खड़े हो सकते हैं। अभी दुनियाभर के प्रमुख देशों की नजर भारत पर टिकी है। भारतीय कूटनीति के लिए यह भी अग्निपरीक्षा का समय है। हालांकि, भारत ने शुरू से साफ कर दिया है कि यूक्रेन के मुद्दे पर उसकी विदेश नीति तटस्थता की है और रहेगी। ब्रिक्स में चीन जिस तरह के दांव चल रहा है, उससे निपटने सभी देशों को आगे आना होगा और कवायद करनी होगी।

फ़ैक्ट संवाद

उद्धव को भाजपा का जोर का झटका

शिंदे के साथ शिवसेना के 39 विधायकों की बगावत के बाद से उद्धव खेमा भाजपा को विलेन के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा था। विधायकों की खरीद-फरोख्त का आरोप लगाना शुरू कर दिया था। भाजपा ने एक झटके में इसे ध्वस्त कर दिया है।

भाजपा की मौजूदा लीडरशिप को चौंकाने वाले फैसलों के लिए जाना जाता है। ऐसा ही निर्णण महाराष्ट्र के सीएम की कुर्सी एकनाथ शिंदे को देकर लिया गया है। शिंदे कैंप की शिवसेना से बगावत से लेकर अब तक यही माना जा रहा था कि उनके समर्थन से भाजपा सरकार बनाएगी और कमान देवेंद्र फडणवीस के हाथों में होगी। लेकिन अब एकनाथ को महाराष्ट्र का नाथ बनाकर भाजपा ने मास्टरस्ट्रोक चल दिया है, जिसका अनुमान किसी भी राजनीतिक पंडित ने नहीं लगाया था। भाजपा को इस त्याग का बड़ा फल आने वाले वक्त में मिलने के कयास लगाए जा रहे हैं। वहीं, शिवसेना के प्रमुख उद्धव ठाकरे को करारा झटका लग सकता है। कहा जा रहा है कि भाजपा ने इस दांव के जरिए उद्धव ठाकरे से सत्ता छीनने के बाद पार्टी और बालासाहेब की विरासत से भी उन्हें बेदखल करने की कोशिश की है। दरअसल उद्धव ठाकरे लगातार इमोशनल कार्ड खेल रहे थे और खुद को बालासाहेब की विरासत का असली वारिस बता रहे थे। यही नहीं उनका कहना था कि भले ही सरकार वो लोग बना लें, लेकिन मेरे पास शिवसेना रहेगी।

ऐसे में भाजपा ने शिवसेना के ही बागी एकनाथ शिंदे को सीएम बना दिया है ताकि पार्टी के ज्यादातर लोग प्रभावित होकर शिंदे के खेमे में आ जाएं। ऐसा होता है तो शिवसेना बेहद कमजोर होगी और दो धड़ों में बंटी पार्टी आने वाले वक्त में चुनौती नहीं दे पाएगी। इसके अलावा अपने फायदे को लेकर भी शायद भाजपा ने यह फैसला लिया है। दरअसल 2019 में भी अजीत पवार को साथ लेकर फडणवीस ने सीएम पद की शपथ ले ली थी, लेकिन 80 घंटे तक ही सत्ता में रह पाए थे। ऐसे में अब एकनाथ शिंदे को सीएम बनाकर भाजपा ने यह साबित कर दिया कि वह सत्ता की लालची नहीं है। दूसरा किंगमेकर बनकर वह सत्ता का संचालन भी कर सकेगी। दरअसल शिवसेना एकनाथ शिंदे की बगावत के बाद से ही मराठी कार्ड चल रही थी। उसका कहना था कि हम महाराष्ट्र के लोगों की पार्टी है और भाजपा कभी किसी शिवसैनिक को सत्ता में नहीं आने देगी। लेकिन भाजपा ने इस दांव को चलकर उसके दोनों दांवों की काट कर दी है।

इसके जरिए भाजपा मराठा बेल्ट में अपनी दावेदारी ठोक सकेगी और बालासाहेब की विरासत की सच्ची वारिस होने का भी दावा करेगी। बता दें कि बिहार में भाजपा ने ऐसा ही किया था, जब 2020 के विधानसभा चुनाव में ज्यादा सीटों पर जीत के बाद भी नीतीश कुमार को ही सरकार बनाने का मौका दे दिया था। जानकारों का यह भी कहना है कि फडणवीस ने लंबी छलांग लेने के लिए कुछ कदम पीछे लिए हैं। वह इस कदम से जनता को यह संदेश देने की कोशिश करेगी कि उसने शिवसेना की सरकार गिराई नहीं है, बल्कि हिंदुत्व के अजेंडे से हट चुके उद्धव गुट को हटाकर बालासाहेब ठाकरे के नक्शेकदम पर आगे बढ़ने वाली शिवसेना को सत्ता में आने में मदद की है। अगले चुनाव में भाजपा को इसका लाभ मिल सकता है।

सौर तूफान के खतरे

आग उगलते सूरज को देख कर तो लगता है कि ताप युग की शुरुआत हो गई है। पिछले एक दशक से पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ रहा है। इसके लिए सूर्य में हो रहे ताप संबंधी बदलाव जिम्मेदार हैं। प्राकृतिक चेतावनियों से स्पष्ट है कि प्रकृति के साथ मानवता के पुराने मैत्रीपूर्ण रिश्तों में दरार आ गई है। आज प्रकृति और विश्व शांति दोनों ही खतरे में हैं। बढ़ता वैश्विक तापमान (ग्लोबल वार्मिंग) और परमाणु परीक्षणों व युद्धों से उत्पन्न होने वाले विकिरण आज मानव अस्तित्व के लिए कहीं ज्यादा बड़े खतरे बन गए हैं। वर्तमान में इलेक्ट्रानिक प्रौद्योगिकी व्यापक और शक्तिशाली होती जा रही है। यह सिलसिला आने वाले दशकों में भी जारी रहेगा। सूचना और संचार क्रांति ने भी अपना वर्चस्व कायम कर लिया है। लेकिन यह भी ब्रह्मांडीय खतरों से मुक्त नहीं है। अंतरिक्ष से भी सूरज से आने वाले विकिरण इसे प्रभावित करते हैं। इसलिए अब वैज्ञानिक शोध हो रहे हैं कि कैसे सूर्य के विकिरणों से बचा जा सके।

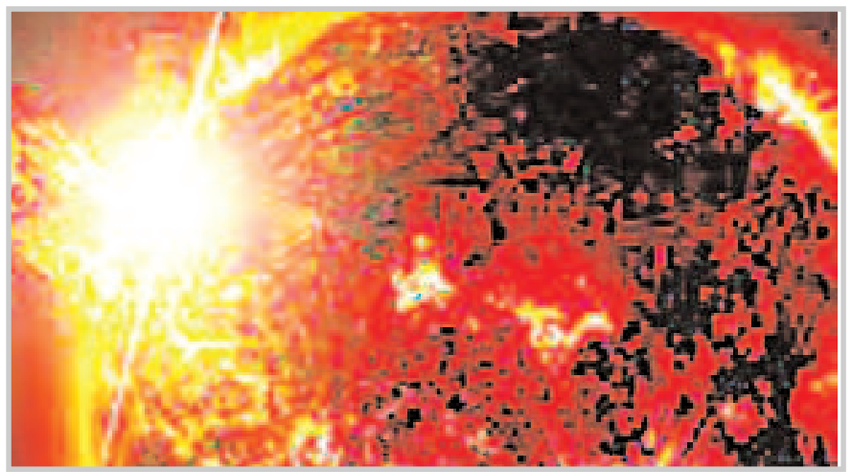

ऐसी संभावना है कि अंतरिक्ष में जहां जेम्स वेब टेलीस्कोप स्थित है, वहां इस अंतरिक्ष बुलबुले को रखा जाएगा। वैज्ञानिकों का मानना है कि सूरज से आने वाले विकिरणों को परावर्तित करने के लिए यही सबसे सही जगह होगी। जो भी हो, वैज्ञानिकों का यह कदम सराहनीय है क्योंकि धरती बचाओ की मुहिम अंतरिक्ष से भी होनी चाहिए। सौर तूफान को लेकर वैज्ञानिकों की खोज वृहद होनी चाहिए।

वैज्ञानिकों का मानना है कि सूरज और पृथ्वी के बीच अंतरिक्ष में एक विशालकाय बुलबुले का निर्माण करके सूरज से आने वाले खतरनाक विकिरणों को धरती पर पहुंचने से रोका जा सकता है। जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहे विनाश को रोकने के लिए मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलाजी के वैज्ञानिकों ने सूर्य और पृथ्वी के बीच अंतरिक्षीय बुलबुला यानी 'स्पेस बबल' बनाने का प्रस्ताव रखा है। यह बुलबुला ब्राजील के आकार का होगा। इसका नाम 'इन्फ्लेटेबल बबल' होगा। इसे तरल सिलिकान से बनाया जाएगा और सूरज तथा पृथ्वी के बीच अंतरिक्ष में स्थापित किया जाएगा। सूरज से आने वाले खतरनाक विकिरण इस बुलबुले से टकरा कर परावर्तित हो जाएंगे और धरती तक नहीं पहुंच पाएंगे। अगर यह प्रयोग कामयाब हो गया, जैसा कि वैज्ञानिक दावा कर रहे हैं, तो धरती के लिए यह एक बड़ा सुरक्षा कवच साबित होगा।

हालांकि सूरज से आने वाले विकिरणों को इस बुलबुले के जरिए भी रोक पाना संभव नहीं होगा, पर इसे कम जरूर किया जा सकेगा। अंतरिक्ष बुलबुला शोध परियोजना वैज्ञानिक जेम्स अर्ली के विचारों पर आधारित है जिन्होंने सबसे पहले अंतरिक्ष में एक विक्षेपी वस्तु तैनात करने का सुझाव दिया था। फिर खगोलविद रोजर एंजेल ने बबल-बेड़े का प्रस्ताव रखा। हालांकि जियो-इंजीनियरिंग एक विज्ञान कथा से कम नहीं लगती, लेकिन इसका इस्तेमाल वास्तविक दुनिया में सफलतापूर्वक हो रहा है। वैसे तो धरती का चुंबकीय क्षेत्र ही हमें सूरज से आने वाले विकिरणों से बचाता है, लेकिन सूरज पर उठने वाले तूफानों का असर धरती पर काफी पड़ता है। सूरज पर अनवरत उठते रहने वाले सौर तूफानों से गरम लपटें धरती के बाहरी वायुमंडल को गरम कर रही हैं। इसका असर उपग्रहों पर पड़ रहा है। सामान्य तौर पर सौर तूफान 10 से 20 लाख मील प्रति घंटे की रफ्तार से चलते हैं।

इसका असर अंतरिक्ष में दूर-दूर तक होता है। इन्हीं सौर लपटों के आवेशित कण अंतरिक्ष से होते हुए बेहद तेज गति से धरती की ओर आते हैं। जब ये धरती के चुंबकीय क्षेत्र से टकराते हैं तो प्रकाश के रूप में ऊर्जा उत्सर्जित करते हैं। इससे धरती का वायुमंडल गर्म हो जाता है और इसका सीधा असर जीपीएस, नेविगेशन, मोबाइल फोन और टीवी सिग्नलों पर पड़ता है। विद्युत लाइनों में करंट तेज हो जाने से ट्रांसफार्मर भी जल जाते हैं। सौर तूफान का असर पहली बार सन 1859 में देखा गया था। इस शक्तिशाली भू-चुंबकीय तूफान ने यूरोप और अमेरिका में टेलिग्राफ नेटवर्क तबाह कर दिया था। इसके अलावा कम तीव्रता का एक सौर तूफान 1989 में भी आया था। माना जा रहा है कि पिछले तूफानों के मुकाबले अब भविष्य के सौर तूफानों की तीव्रता ज्यादा भयावह होगी जो अंतरिक्ष में चक्कर लगा रहे उपग्रहों को प्रभावित करेंगे और हमारी संचार व्यवस्था व जीपीएस प्रणाली को ठप कर सकते हैं। आसमान से सूरज तो आग उगल ही रहा है, पराबैंगनी किरणें भी अब एक खतरनाक स्तर तक पहुंच चुकी हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि इसका स्तर औसत से तीन गुना और बढ़ गया है जो मनुष्य के लिए खतरनाक साबित होगा।

ऐसे में कड़ी धूप में बाहर निकलने वालों की आंखों में जलन, मोतियाबिंद, त्वचा का कैंसर और अन्य बीमारियां होने का खतरा बढ़ता जा रहा है। पिछले कुछ महीनों से सूर्य पर हलचल भरी गतिविधियां देखने को मिल रही हैं। पिछले दिनों सूरज पर मौजूद एक धब्बे में भयानक विस्फोट की तस्वीरें सामने आईं। इस विस्फोट को पृथ्वी के लिए खतरे के रूप में देखा जा रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस विस्फोट से निकलने वाले विकिरण धरती पर भू-चुंबकीय तूफान का कारण बन सकते हैं। इससे इलेक्ट्रानिक उपकरणों के खराब होने का खतरा और बढ़ जाता है। भू-चुंबकीय तूफान एक प्रकार का सौर तूफान है जो पूरे सौरमंडल को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। यह धरती के चुंबकीय क्षेत्र पर असर करने वाली आपदा है। इस साल की शुरुआत में एलन मस्क की स्पेस कंपनी के चालीस उ पग्रह भू-चुंबकीय तूफान के शिकार हो गए थे। अंतरिक्ष मौसम के बारे में शोध करने वाले वैज्ञानिकों का कहना है कि 2020 से ही सौर-तूफान चक्र की शुरुआत हो चुकी है। आने वाले दिनों में पृथ्वी पर ऐसे ही कई सौर तूफान देखने को मिलेंगे।

सौर तूफान के दौरान सूरज की सतह से 'ऊर्जा का गुब्बारा' फूटता है। इससे पृथ्वी पर विद्युत आवेश और चुंबकीय क्षेत्र की खेप आती रहती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि सूरज पर लंबे समय तक ऐसी स्थिति देखने को नहीं मिली थी, लेकिन अब चक्र एक बार फिर शुरू हो चुका है। पृथ्वी पर ऐसे सौर तूफान की वजह से पावर ग्रिड और संचार व्यवस्था पर तो असर पड़ता ही है, प्राणियों के लिए भी यह खतरनाक है। इस तरह के सौर तूफान इंसानों पर घातक प्रभाव डालते हैं। सौर तूफान को लेकर वैज्ञानिकों की खोज भी सीमित रही है। पहले इसे इतनी गंभीरता से नहीं लिया जाता था। लेकिन हाल के वर्षों में कई देश अंतरिक्ष मौसम के बारे में ज्यादा गंभीर हुए हैं। भारतीय वैज्ञानिक भी इस दिशा में तेजी से काम कर रहे हैं।

वैज्ञानिकों का मानना है कि सूरज से आने वाले विकिरणों को इस अंतरिक्ष बुलबुले की तकनीक से पूरी तरह तो नहीं रोका जा सकता, लेकिन कम जरूर किया जा सकता है। ऐसा भी नहीं कि यह जलवायु परिवर्तन से निपटने के मौजूदा प्रयासों का विकल्प होगा। हां, यह बात जरूर है कि जलवायु संकट से निपटने के लिए जो भी मौजूदा उपाए किए जा रहे हैं, उनमें यह सबसे ज्यादा कारगर होगा। अंतरिक्ष में इस बुलबुले का परीक्षण भी किया जा चुका है और आने वाले दिनों में इनका इस्तेमाल भी शुरू कर दिया जाएगा। यदि हम धरती पर टकराने से पहले ही 1.8 प्रतिशत सौर विकिरण को वापस अंतरिक्ष में परावर्तित कर देते हैं तो बढ़ते वैश्विक तापमान की समस्या से काफी हद तक निजात पा सकेंगे। इस बुलबुले की खूबी यह है कि अगर खराबी आ जाए तो बदला भी जा सकता है।

बुलंदियों पर पहुंचना कोई कमाल नहीं

बुलंदियों पर ठहरना कमाल होता है किसी शायर की यह पंक्तियां मध्य प्रदेश मंत्रिमंडल के वरिष्ठ सदस्य गोपाल भार्गव पर सटीक बैठती हैं। वे पिछले लगभग पांच दशक से मध्य प्रदेश की राजनीति में प्रभावशाली शख्सियत के रूप में चमक रहे हैं। आम जनता में उनकी पहचान संवेदनशील और सहयोगी जन सेवक के रूप में है। प्रशासन के गलियारों में उन्हें कुशल प्रशासक के रूप में जाना जाता है। अधिकारी, कर्मचारियों से किस तरह स्नेहभाव के साथ काम लेना है? यह वे बखूबी जानते हैं। उन्होंने सागर जिले के रहली विधानसभा क्षेत्र को अपनी कर्मभूमि बनाया जो उनकी जन्मभूमि भी है। श्री भार्गव का सरल, सहज व्यवहार, आम आदमी के सुख-दुख में उनका लगाव-जुड़ाव उनकी लोकप्रियता को

लगातार बनाए हुए हैं। अपने क्षेत्र की जनता के साथ वह लगातार संपर्क में रहते हैं। जनता से उनका रिश्ता ऐसा है कि लोग उन्हें अपने परिवार के सदस्य की तरह जानते हैं। केवल रहली विधानसभा क्षेत्र या सागर जिला ही नहीं, मध्यप्रदेश के किसी भी जिले से कोई पार्टी कार्यकर्ता या आम आदमी उनके पास पहुंचता है तो वह जो मदद हो सकती है उसके लिए तत्काल कार्यवाही करते हैं। श्री भार्गव का जन्म 1 जुलाई 1952 को रहली में हुआ वह छात्र जीवन से ही सामाजिक राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं। वर्ष 1970 में वे छात्र राजनीति के दौरान छात्र संघ में पदाधिकारी बने। सागर विश्वविद्यालय में छात्र संघ में महत्वपूर्ण पदों पर चुने गए। इसके बाद रहली के नगर पालिका अध्यक्ष के पद पर रहते हुए उन्होंने अपने सेवा कार्यों को आगे बढ़ाया। वर्ष 1984 में रहली विधानसभा क्षेत्र से विधायक बने। उन्हें वर्ष 2003में मुख्यमंत्री उमा भारती ने कैबिनेट मंत्री बनाया। वह बाबूलाल गौर के मुख्यमंत्री काल में भी कैबिनेट मंत्री रहे। अब मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उन्हें राज्य मंत्रिमंडल में महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी दी है। श्री भार्गव वर्तमान में लोक निर्माण विभाग, खादी ग्राम उद्योग, हस्तशिल्प, कुटीर उद्योग के मंत्री हैं। उन्होंने प्रदेश के दूरदराज के दुर्गम क्षेत्रों को सड़क से जोड़ने का प्रभावी कार्य किया है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में प्रदेश में 2 हजार 441 किलोमीटर नवीन सड़कें और 65 नए पुल बनाने का कार्य तेजी से चल रहा है। इसके साथ ही प्रदेश के महानगरों में रेल पटरी के कारण बाधित हो रहे यातायात को सुगम बनाने के लिए 105 रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण भी प्रस्तावित है। इससे श्रम और समय की बचत होगी। आवागमन की सुविधा बढ़ेगी। मध्यप्रदेश में अटल प्रोग्रेस वे और नर्मदा एक्सप्रेस वे की महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर भी काम चल रहा है जिससे प्रदेश का अन्य राज्यों से सड़क संपर्क अधिक बेहतर हो जाएगा। इसी प्रकार खादी ग्राम उद्योग, हस्तशिल्प, कुटीर उद्योग में भी नई-नई योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्व रोजगार के नए अवसर बढ़ाने पर ध्यान दिया जा रहा है। हथकरघा मध्यप्रदेश की समृद्ध और ऐतिहासिक धरोहर है।

अमिताभ पांडेय

यूक्रेन ने यूरोपीय संघ की सदस्यता के लिए किए हस्ताक्षर

कीव, 1 जुलाई (एजेंसियां)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने पार्लियामेंट के अध्यक्ष रुस्लान स्टीफनचुक और प्रधानमंत्री डेनिस शमीहाल के साथ शुक्रवार को यूरोपीय संघ (ईयू) का पूर्ण सदस्य बनने के लिए अपनी एकजुटता साबित करने के लिए संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर किए।

श्री ज़ेलेंस्की ने अपने टेलीग्राम एकाउंट पर कहा, आज हम यूरोपीय संघ में पूर्ण सदस्यता के एक संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर कर रहे हैं, जो सरकार की सभी मंत्रालयों की एकता का संकेत है और यूक्रेन के रणनीतिक लक्ष्य को प्राप्त करने के हमारे दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। इस बयान पर हस्ताक्षर करने का मतलब प्रवेश के लिए आवेदन पर हस्ताक्षर करना है जैसे युद्ध के पांचवें दिन। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें सदस्यता के लिए 'जल्दी' का रास्ता तय करना होगा।

- रूस यूक्रेन के ईयू में शामिल होने का कर रहा है विरोध
- हमें जल्द से जल्दी हासिल करनी होगी ईयू की सदस्यता : जेलेंस्की

राष्ट्रपति ने कहा, हम 115 दिनों से सदस्यता पाने की ओर जा रहे हैं और सदस्यता पाने के लिए हमारे इस रास्ते में वर्षों या दशकों का समय नहीं लगना चाहिए। हमें इसे जल्द से जल्द पाना होगा। यह किस हद तक संभव है यह हम पर निर्भर है। हमें अपने काम को अच्छी तरह से अंजाम देना होगा ताकि यूरोपीय संघ में हमारे मित्र हमारे लिए एक और ऐतिहासिक निर्णय लेने में सक्षम हो सकें। प्रधानमंत्री श्री शमीहाल ने ट्वीट किया कि यूक्रेन यूरोपीय संघ का पूर्ण सदस्य बनने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा, हम यूरोपीय संघ के ऐतिहासिक फैसले के लिए सभी जरूरी कदम उठाएंगे। गौरतलब है कि गत 23 जून को ब्रसेल्स में शिखर सम्मेलन में यूरोपीय संघ के नेताओं ने चर्चा के बाद यूक्रेन और मोल्दोवा को सदस्य देश का दर्जा देने के लिए मतदान कराया था।

यूक्रेन के ओडेसा पर रूसी मिसाइल हमले में 18 लोगों की मौत

कीव। यूक्रेन के अधिकारियों ने शुक्रवार को दावा किया कि ओडेसा में एक अपार्टमेंट की इमारत तथा एक मनोरंजन केंद्र पर तीन रूसी मिसाइलों के हमले में दो बच्चों सहित 18 लोगों की मौत हो गई और अन्य 31 लोग घायल हो गए है। ओडेसा क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के गवर्नर और प्रमुख मैक्सिम मार्चेको ने टेलीग्राम पर कहा, ओडेसा क्षेत्र के बेलगोरोड-डेनिएस्टर जिले में काला सागर से टीयू -22 सामरिक विमान द्वारा रात मिसाइल हमला हुआ। तीन एक्स -22 मिसाइलों को एक अपार्टमेंट की इमारत तथा एक मनोरंजन केंद्र पर दागा गया। उन्होंने कहा कि सुबह नौ बजे तक, दो बच्चों सहित 18 पीड़ितों की पहचान हुई है तथा घायल चार बच्चों और एक गर्भवती महिला सहित 31 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। अन्य आठ को चिकित्सा सहायता दी गयी।

पीटीआई ने लाहौर उच्च न्यायालय के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

इस्लामाबाद, 1 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेता हमजा शाहबाज को पंजाब का मुख्यमंत्री चुने जाने के संबंध में लाहौर उच्च न्यायालय (एलएचसी) के फैसले को शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी। 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' ने यह रिपोर्ट दी है।रिपोर्ट के अनुसार पीटीआई ने सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में पंजाब विधानसभा के उपाध्यक्ष सरदार दोस्त मुहम्मद मजारी, श्री शहबाज और अन्य को पक्षकार बनाया है।

उन्होंने अपील में कहा कि लाहौर उच्च न्यायालय ने पार्टी की स्थिति को स्वीकार कर लिया, लेकिन अल्प सूचना पर प्रांतीय विधानसभा की बैठक बुलाने का आदेश हानिकारक होगा। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय का आदेश 'असंवैधानिक' है, बैठक बुलाने के लिए उचित समय दिया जाना चाहिए जिससे शुक्रवार को दोबारा होने वाली मतगणना में सभी सदस्य शामिल हो सके।

- पीटीआई ने शाहबाज को मुख्यमंत्री पद से निलम्बित करने की मांग की
- पंजाब में जल्द कराएं जाएं निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव

पीटीआई ने श्री शाहबाज को मुख्यमंत्री पद से निलंबित करने और 'निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव' कराने का आह्वान किया है। उसने चुनाव पर रोक और संकट के आधार पर उसकी अपील पर सुनवाई करने का आग्रह किया है।

सुडोकू 5885

		3	2		4			
1				6			5	9
8	6							
2					1	4		
	3						9	
		1	6					8
							2	7
6	2			3				5
			7		9	3		

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

वर्ग पहेली 5885

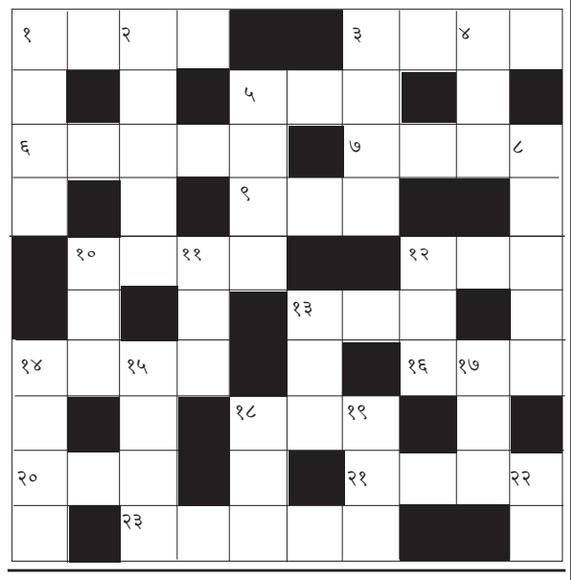

बायें से दायें:-

१. बड़ी मुश्किल से
३. बाकायदा
५. दहाड़
६. बेइज्जत, अपमानित
७. प्रयासरत
९. सामयिक
१०. जिसके अधिकार को समाप्त कर दिया गया हो (उर्दू)
१२. जहरीला
१३. छोटी टोकरी
१४. राधा जी का जन्मस्थल (उर्दू)
१६. जमीन में गड़ना (उर्दू)
१८. त्रुटिपूर्ण (उर्दू)
२०. प्राय:, अधिकतर
२१. पथ प्रदर्शक (उर्दू)
२३. मानव खोपड़ी

ऊपर से नीचे:-

१. थोड़ा
२. लिपिबद्ध (उर्दू)
३. गणेश
४. दरिद्रगी, पशु (उर्दू)
५. बीता हुआ समय
८. लोचदार होने का भाव
१०. बेरोजगार (उर्दू)
११. पूर्ति होना, खर्च होना
१२. अवसाद, उदासी
१३. कल्याण, शुभ
१४. समान
१५. चौकन्ना, सतर्क
१७. छल, धोखा, लुभावना (उर्दू)
१८. ज्योतिषी, गिनने वाला
१९. बहने के गुण, पदार्थ, द्रव
२२. लड़ाई, युद्ध

वर्ग पहेली-5884 का हल

क	ठ	२ मु	ल्ला	■	■	३ त	ल	४ ह	टी
र	■	स्ट	■	५ ख	स	म	■	त्या	■
६ त	ला	क	■	री	■	७ क	वि	रा	८ ज
ल	■	वि	■	९ द	र्शा	ना	■	■	टि
■	१० सु	ल	११ झ	ना	■	■	१२ उ	त्प	ल
■	ल	■	ड़	■	१३ नि	ह	त्था	■	ता
१४ ब	ह	१५ क	ना	■	मं	■	१६ न	१७ त	■
ल	■	र	■	१८ बे	म	१९ न	■	र्जु	■
२० शा	र	दा	■	ग	■	२१ व	र्ण	मा	२२ ला
टी	■	२३ ता	ज	म	ह	ल	■	■	र्जु

युसूफ कुरैशी,

दैनिक पंचांग

ASTROLOGY.FN FOR ASTROLOGY DIAL 5518T

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : शनिवार 02 जुलाई, 2022 आषाढ़ शुक्ल पक्ष 3

राशिफल

मेष - आपका आज का दिन मानसिक चिंता से भरा रहेगा। आज भावना के प्रवाह में कुछ अधिक ही बह सकते हैं। वाणी पर संयम न रहने के कारण ग्लानि का भी अनुभव हो सकता है।

वृषभ - आज आप तन और मन से हलकापन अनुभव करेंगे। आपके उत्साह में वृद्धि होगी। मन भी संवेदनशीलता से भरा रहेगा। आप की कल्पनाशक्ति से कोई अच्छा काम कर पाने की स्थिति में रहेंगे। पारिवारिक विषयों में रुचि लेंगे।

मिथुन - काम पूरा होने में विलंब हो सकता है, फिर भी प्रयास चालू रखें। आपके काम समय पर पूरे होंगे। आर्थिक आयोजन में कुछ बाधाएं आएंगी। समय रहते कठिनाई दूर हो जाएगी।

कर्क - मित्रों और स्नेहीजनों के साथ आज का दिन बहुत उल्लासमय रहेगा। यात्रा की संभावनाएं है। सुरुचिपूर्ण भोजन का स्वाद ले सकेंगे। किसी बात को लेकर आज इमोशनल बने रहेंगे। नौकरीपेशा लोगों को सहकर्मियों का साथ मिलेगा।

सिंह - अधिक भावुकता के कारण आपके मन में चिंता रहेगी। दोस्तों से बातचीत में आज संभलकर रहें। दलीलबाजी के काम में विवाद से बचें। कोर्ट-कचहरी के मामलों में आज सावधानी रखें। व्यवहार में संयम और विवेक रखना होगा।

कन्या - आज का दिन आनंद-उल्लास में गुजरेगा। आज विविध क्षेत्रों में लाभ होगा। इसमें मित्रों की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। किसी मनोहर स्थल की यात्रा कर पाएंगे। संतान की ओर से शुभ समाचार मिलेंगे।

तुला - आज का दिन आपके लिए शुभ है। नौकरी या व्यावसायिक क्षेत्र में आपके लिए अनुकूल वातावरण रहेगा। अधिकारियों के साथ आप महत्वपूर्ण चर्चा करेंगे। पदोन्नति की भी संभावना है।

वृश्चिक - नौकरी या व्यापार स्थल पर संभलकर काम करें। अधिकारियों के नकारात्मक रवैये से आपको कष्ट हो सकता है। शारीरिक रूप से आलस्य रहेगा। संतान के साथ मतभेद रहेगा। महत्वपूर्ण निर्णयों को आज संभव हो तो टालें।

धनु - आज किसी भी नए काम का प्रारंभ ना करें। वाणी और व्यवहार में संयम रखें। अधिक संवेदनशीलता आपके मन को व्यथित करेगी। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतें। धन का खर्च बढ़ेगा।

मकर - आज आपका दिन शुभ है। व्यापार बढ़ाने को लेकर आपके प्रयास रंग लाएंगे। दलाली, कमिशन, ब्याज से आपकी आय में वृद्धि होगी। इससे आपका आर्थिक स्तर मजबूत बनेगा। आपकी मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है।

कुंभ - आज का आपका दिन आपके लिए आनंददायी होगा। आपके काम में सफलता मिलेगी। परिजनों के साथ दिन अच्छी तरह गुजरेगा। नौकरी और व्यापार में आपको साथियों का सहयोग मिलेगा। घर में आनंदपूर्ण वातावरण रहेगा।

मीन - आज आपकी सृजनशक्ति में अधिक निखार आएगा। कल्पनाशक्ति के कारण आज आप साहित्य में ज्यादा रुचि लेंगे। विद्यार्थियों के लिए समय बहुत अनुकूल है। स्वभाव में भावुकता रहेगी। माता-पिता के साथ संबंध सामान्य बने रहेंगे।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

आज का इतिहास

1698- ब्रिटेन के थॉमस सेवरी ने पहले व्यवसायिक स्टीम इंजन का पेटेंट हासिल किया।
1777- अमेरिका के वोरमोंट शहर में दास प्रथा की समाप्ति हुई।
1897- इतालवी वैज्ञानिक मार्कोनी ने लंदन में रेडियो का पैटेंट कराया।
1916- भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की स्थापना हुई।
1948 - प्रसिद्ध जनकवि आलोक धन्वा का जन्म।
1940 - आजाद हिंद फौज के संस्थापक सुभाष चंद्र बोस को कलकत्ता (अब कोलकाता) में हिरासत में लिया गया।
1972- आज ही के दिन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पाकिस्तान के राष्ट्रपति जुल्फिकार अली भुट्टो ने शिमला समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।
1983- स्वदेश निर्मित परमाणु बिजली केंद्र की पहली इकाई ने मद्रास के निकट कलपक्कम में काम करना शुरू किया।
1985- आंद्रेई ग्रोमिको को तत्कालीन सोवियत रूस के राष्ट्रपति निर्वाचित हुए।
1990- सउदी अरब में मक्का से मीना की ओर जाने वाली सुरंग में भगदड़ मचने से 1,426 हज यात्रियों की मौत हो गई थी।
2001- फास्ट एंड फ्यूरियस सीरिज की पहली फिल्म रिलीज हुई थी।
2002- स्टीव फोसेट गुब्बारे के जरिए दुनिया का भ्रमण करने वाले पहले व्यक्ति बने।
2004 - छत्रपति शिवाजी टर्मिनस स्टेशन को यूनेस्को की विश्व धरोहर समिति द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।
2010 - कांगो में टैंकर ट्रक विस्फोट में 230 लोगों की मौत हुई।
2016 - बगदाद में आत्मघाती हमले में कम से कम 341 लोग मारे गये।

भारत की मदद से बंदरगाह विकसित करेगा श्रीलंका

कोलंबो, 1 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीलंका भारत की ओर से दिये गये चार करोड़ डॉलर के ऋण का उपयोग द्वीप राष्ट्र के उत्तरी छोर के कंकासंथुरई बंदरगाह को विकसित करने के लिए तैयार है। शुक्रवार को यह जानकारी दी गयी। आज जारी रिपोर्ट में कहा गया कि बन्दरगाह, जहाजरानी और परिवहन मंत्री निमल सिरिपाला डी सिल्वा ने डेली मिरर को बताया कि श्रीलंका बंदरगाह प्राधिकरण (एसएलपीए) ने प्रारंभिक कार्य शुरू कर लिया है और बाकी का काम भारत के एक्जिम बैंक से पैसा मिलने के बाद किया जाएगा। मंत्री ने कहा, कुछ काम जो हमें करना था कर दिया, अब भारतीय की ओर से एक सलाहकार नियुक्त किया है। रिपोर्ट मिलने के बाद हम बंदरगाह के विकास के काम की दिशा में आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि फिलहाल यहां केवल छोटे जहाज ही रूक सकते है। हम इसे बड़े जहाजों को समायाजित किये जाने लायक विकसित करेंगे। इससे पहले मत्स्य पालन मंत्री डगलस देवानंद ने कहा था कि भारत और उत्तरी श्रीलंका के बीच माल वाहन शीघ्र ही शुरू होगा। भारतीय की मदद से इस बंदरगाह को विकसित करने का काम लम्बे समय से विचाराधीन था और भारत ने मई 2009 में संघर्ष समाप्ति के बाद वित्तीय सहायता की पेशकश की थी और इसके बाद वहां से मलबा आदि हटाने जैसे काम किये गये। श्रीलंका के उत्तरी हिस्से और भारत के दक्षिण हिस्से के बीच समुद्र की एक संकरी पट्टी है जो दोनो देशों को अलग करती है।

अमेरिकी शेयरों का 1970 के बाद से सबसे खराब प्रदर्शन

लंदन, 1 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी शेयर बाजार के खराब प्रदर्शन ने पांच दशकों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अमेरिकी शेयरों में 1970 के बाद से इस साल की पहली छमाही में सबसे खराब स्थिति देखी गई है। यह चिंता बढ़ती जा रही है कि मुद्रास्फीति को रोकने के लिए क्या कदम उठाए जाने चाहिए जो आर्थिक विकास को बढ़ावा देंगे। बीबीसी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पिछले छह महीनों में बेंचमार्क एसएंडपी 500 इंडेक्स में 20.6 फीसदी की गिरावट आई है जबकि अन्य प्रमुख अमेरिकी इंडेक्स में भी तेजी से गिरावट आई है।

यूरोप के प्रमुख देश ब्रिटेन और एशिया के शेयरों को भी भारी नुकसान हुआ है। कुछ अर्थशास्त्रियों को उम्मीद है कि

अमेरिका, जो दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, इस साल की शुरुआत में मंदी की चपेट में आ जाएगा क्योंकि ब्याज दरों में वृद्धि जारी है।

हैंग सेंग बैंक चाइना के मुख्य अर्थशास्त्री डैन वांग ने बीबीसी को बताया,अगर अमेरिकी फेडरल रिजर्व दरों में बढ़ोतरी जारी रखता है तो शेयर बाजार काफी नकारात्मक प्रतिक्रिया देगा। एएमपी कैपिटल के शेन ओलिवर ने कहा, शेयरों में निरंतर अल्पकालिक अस्थिरता देखने की संभावना है क्योंकि केंद्रीय बैंक उच्च मुद्रास्फीति से निपटने के लिए कड़े हैं, यूक्रेन में युद्ध जारी है और मंदी की आशंका अधिक है। एक अन्य प्रमुख अमेरिकी स्टॉक इंडेक्स डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज इस वर्ष की पहली छमाही में 15 प्रतिशत से अधिक गिर गया जो वर्ष 1962 के बाद की अवधि में सबसे बड़ी गिरावट है। उसी समय प्रौद्योगिकी-केंद्रित नैस्डैक कंपोजिट में लगभग 30 प्रतिशत की गिरावट आई जो वर्ष की पहली छमाही के लिए इसकी सबसे बड़ी प्रतिशत गिरावट है। पिछले महीने फेड ने लगभग 30 वर्षों में अपनी सबसे बड़ी दर वृद्धि की घोषणा की क्योंकि उसने बढ़ती उपभोक्ता कीमतों पर लगाम लगाने के लिए अपनी लड़ाई तेज कर दी है।

पाकिस्तान में महंगाई रिकॉर्ड स्तर पर

इस्लामाबाद, 1 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में मुद्रास्फीति जून में बढ़कर 21.32 प्रतिशत हो गई जो 13 पिछले वर्षों में सबसे अधिक है। पाकिस्तान सांख्यिकी ब्यूरो (पीबीएस) द्वारा शुक्रवार को साझा किए गए आंकड़ों से इस बात का खुलासा हुआ है। समाचारपत्र 'डॉन' के मुताबिक पिछले महीने महंगाई 13.76 फीसदी दर्ज की गई थी। जून में मुद्रास्फीति 6.34 फीसदी मासिक (एमओएम) और 21.32 फीसदी सालाना (वर्ष-दर-वर्ष) बढ़ी, जो दिसंबर 2008 के बाद से उच्चतम आंकड़ा था। दिसंबर 2008 में मुद्रास्फीति 23.3 फीसदी थी।

21.32 प्रतिशत हो गई महंगाई दर

पीबीएस के मुताबिक शहरी इलाकों में महंगाई 19.84 फीसदी और ग्रामीण इलाकों में 23.55 फीसदी बढ़ी है।

कई क्षेत्रों में दोहरे अंकों में मुद्रास्फीति देखी गई, लेकिन प्रवृत्ति मुख्य रूप से परिवहन द्वारा संचालित थी, जिसमें 62.17 प्रतिशत की वृद्धि और खराब होने वाले खाद्य पदार्थों की कीमतों में 36.34 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। शिक्षा और संचार केवल दो क्षेत्र ऐसे थे जहां मुद्रास्फीति क्रमश: 9.46 प्रतिशत और 1.96 फीसदी पर एकल अंकों में थी।

पीबीएस प्रेस वक्तव्य गैर-खाद्य-संबंधित वस्तुओं में वृद्धि का विवरण देते हुए यह दर्शाता है कि मोटर ईंधन, तरलीकृत हाइड्रोकार्बन और बिजली शुल्क में साल-दर-साल भारी वृद्धि हुई है। साथ ही मोटर ईंधन की कीमतों में कम से कम 95 फीसदी की वृद्धि हुई है।

रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के वित्त मंत्रालय ने पहले भविष्यवाणी की थी कि आगामी वित्तीय वर्ष में मुद्रास्फीति 15 प्रतिशत से अधिक हो जाएगी।

फिजी में कोविड सुरक्षा उपाय और सख्त किए गए

सुवा, 1 जुलाई (एजेंसियां) फिजी में हाल ही में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के नये मामलों में वृद्धि के मद्देनजर शुक्रवार को द्वीप राष्ट्र में फिर से कोविड-19 सुरक्षा उपायों को सख्ती से लागू किया गया है।

फिजी ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (एफबीसी) ने शुक्रवार को बताया कि देश के सभी अस्पतालों को कोरोना वायरस को लेकर और अधिक सख्त सुरक्षा उपायों को फिर से लागू करने को कहा गया है। कार्यस्थलों में भी कोविड-19 सुरक्षा उपायों को अधिक सख्त करने का आग्रह किया गया है।

फिजी के स्वास्थ्य सचिव जेम्स फोंग ने बताया कि देश के अस्पतालों को आगंतुकों के लिए प्रतिबंध लगाया जाएगा, मास्क तथा हाथ धोने और स्क्रीनिंग प्रोटोकॉल को और अधिक सख्ती से लागू किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय ने कार्यस्थलों पर प्रबंधकों को कोविड के एहतियाती उपाय और अधिक सख्त करने के निर्देश दिए गए है।

श्री फोंग ने देश में कोविड मामलों में वृद्धि की पुष्टि की हैं। श्री फोंग के अनुसार फिजी में मंगलवार से कोविड संक्रमण के 158 नए मामले दर्ज किए गए हैं।

चिंता ईरान और यूएई से भी आ रहा है कचरा

पाकिस्तान में फेंका जा रहा खतरनाक कचरा: संसद

इस्लामाबाद 01 जुलाई (वार्ता) पाकिस्तानी संसद ने कहा कि पाकिस्तान में ब्रिटेन, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब सहित कई देशों से भारी मात्रा में खतरनाक कचरे का आयात कर रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, केवल ब्रिटेन ने पिछले साल पाकिस्तान में लगभग 40,000 टन कचरा फेंका, जिसमें नियमित और खतरनाक कचरे को अलग करने की क्षमता नहीं है, जिससे गंभीर पर्यावरण तथा स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं बढ़ सकती है।

इसी तरह, 25,000 टन ऐसा ही कचरा ईरान से और करीब 20,000 टन यूएई से आया है। जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के वरिष्ठ संयुक्त सचिव सैयद मुजतबा हुसैन ने समिति के सदस्यों को जानकारी दी। जलवायु परिवर्तन पर सीनेट की स्थायी समिति ने राष्ट्रीय खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन नीति 2022 पर चर्चा के लिए बैठक की, जिसमें कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ पाकिस्तान की प्रतिबद्धता के साथ साथ अन्य चीजें भी शामिल हैं।

संघीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को आम सहमति से नीति को मंजूरी दी।

समिति को सूचित किया गया कि इलेक्ट्रॉनिक कचरे सहित अधिकांश कचरे का उपयोग

रीसाइक्लिंग उद्योग द्वारा किया जाता है, जो पूरे देश में कराची, लाहौर, सियालकोट, गुजरांवाला और खैबर पख्तूनख्वा में फैला हुआ है। रीसाइक्लिंग उद्योग इससे सोना, तांबा और एल्यूमीनियम जैसी धातुओं को निकालता है।

पाकिस्तान में अपना कचरा फेंकने वाले अन्य देशों में संयुक्त राज्य अमेरिका, बेल्जियम, जर्मनी, स्पेन, कनाडा, इटली और अन्य शामिल हैं।

इस संबंध में, समिति को बताया गया कि अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करने से पहले पाकिस्तान में आयातित ठोस कचरे के सभी पहलुओं की समीक्षा की गई। हालांकि, एनओसी जारी करने से पहले जलवायु परिवर्तन मंत्रालय प्रांतीय पर्यावरण संरक्षण एजेंसियों पर निर्भर था।

दुनिया को जानें

हांगकांग चीन को सौंपे जाने के 25 साल पूरे

बीजिंग 1 जुलाई (एजेंसियां)। हांगकांग को अंग्रेजों द्वारा चीन को वापस सौंपे जाने के शुक्रवार को 25 साल पूरे हो गये। ब्रिटेन ने 1997 में आज के दिन हांगकांग चीन को वापस सौंपा था।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अभी हांगकांग की यात्रा पर हैं। उनकी जनवरी 2020 के बाद से देश से बाहर यह पहली यात्रा है। इससे पहले वह 2017 में 20वीं वर्षगांठ के के मौके पर हांगकांग गये थे। इस मौके पर आज हांगकांग में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है तथा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं। समारोह आमतौर पर विक्टोरिया हार्बर पर आतिशबाजी के प्रदर्शन के साथ समाप्त होगा।

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

मारुति	6.33 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	4.41 प्रतिशत
एशियन पेंट	3.39 प्रतिशत
भारती एयरटेल	2.96 प्रतिशत
टीसीएस	2.70 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

रिलायंस	1.62 प्रतिशत
पावरग्रिड	1.00 प्रतिशत
एनटीपीसी	0.84 प्रतिशत
ग्रासिम	0.67 प्रतिशत
ओएनजीसी	0.04 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2500-3000
गेहूं दडा	2150-2160
आटा	2800-2290
मैदा	945-950
चोकर	620-630

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

चावल

बासमती औसत किस्म	4500-4600
परमल	1750-1775
चावल सेला	2250-2350
आरआर (आठ)	1650-1670

दाल-दलहन

चना	4,600-4,700
दाल चना	5,700-5,850
मसूर काली	7,150-7,350
मलका मसूर	5400-6200
मूंग	8,200-8,500
मूंग दाल छिलका	6100-6700

रुपया 12 पैसे चढ़ा

मुंबई, 1 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर के मजबूत रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर महीने की शुरूआत में इसकी मांग के कमजोर रहने के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 12 पैसे चढ़कर 78.94 रुपये प्रति डॉलर पर रहा। पिछले सत्र के रुपया 79.06 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। रुपया आज सात पैसे की मजबूती के साथ 78.99 रुपये प्रति डॉलर पर खुला लेकिन शुरूआत में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती के कारण इस पर दबाव बना और यह 79.12 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक टूट गया।

जीएसटी संग्रह जून में 56 प्रतिशत बढ़कर 1.44 लाख

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। आर्थिक गतिविधियों में सुधार और कर चोरी पर सख्ती के बीच जून में वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) का सकल संग्रह पिछले साल इसी माह की तुलना में 56 प्रतिशत उछलकर 1,44,616 करोड़ रुपये रहा। ज्यादातर राज्यों में जीएसटी संग्रह की वृद्धि उच्च स्तर के दहाई अंक में रही। इस साल अप्रैल महीने में जीएसटी वसूली 1,67,540 करोड़ रुपये थी। वित्त मंत्रालय की शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार जून 2022 में सकल जीएसटी संग्रह 1,44,616 करोड़ रुपये था। इसमें केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) 25,306 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) 32,406 करोड़ रुपये, एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) 75,887 करोड़ रुपये रही। आईजीएसटी में 40,102 करोड़ रुपये आयातित वस्तुओं से वसूल हुए हैं। माह के दौरान जीएसटी सेस से 11,018 करोड़ रुपये (इसमें 1,197 करोड़ रुपये आयातित माल से) वसूल हुए। सरकार ने इस माह आईजीएसटी से केंद्र को 29,588 करोड़ रुपये और राज्यों को 24,235 करोड़ रुपये का निपटान किया। इसके अलावा केंद्र सरकार ने आईजीएसटी से तदर्थ आधार पर केंद्र और राज्यों एवं केंद्रशासित क्षेत्रों को कुल 27,000 करोड़ रुपये का भुगतान 50:50 के अनुपात में किया। बयान में कहा गया है कि तदर्थ समायोजन के बाद जून महीने में केंद्र को सीजीएसटी के रूप में 68,394 करोड़ रुपये और राज्यों को एसजीएसटी के रूप में 70,141 करोड़ रुपये का निपटान किया गया। जून में आयातित वस्तुओं से जीएसटी संग्रह में सालाना आधार पर 55 प्रतिशत और घरेलू सौदों (जिसमें सेवाओं का आयात शामिल है) पर वसूली 56 प्रतिशत ऊंची रही। मार्च 2022 से लगातार चौथे महीने जीएसटी वसूली 1.40 लाख करोड़ रुपये से ऊंची रही। जुलाई 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद से अब तक कुल पांच महीने जीएसटी संग्रह 1.40 लाख करोड़ रुपये से ऊपर रहा। आधिकारिक बयान में कहा गया कि जून 2022 की वसूली दूसरी सबसे बड़ी मासिक वसूली है। मई 2022 में कुल 7.3 करोड़ ई-वे बिल सृजित किए गए। यह अप्रैल के 7.4 करोड़ रुपये की तुलना में दो प्रतिशत कम है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में अप्रैल-जून 2022 के दौरान औसत जीएसटी संग्रह मासिक 1.51 लाख करोड़ रुपये जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि से 37 प्रतिशत अधिक है। अप्रैल-जून 2021 तिमाही में यह हर माह औसतन 1.10 लाख करोड़ रुपये था।

मारुति सुजुकी की बिक्री जून में 5.76 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। देश में सबसे ज्यादा कार बनाने वाली कंपनी मारुति सुजुकी ने जून में 5.76 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,55,857 वाहन बेचे। कंपनी ने जून 2021 में 1,47,368 वाहन बेचे थे। कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में बताया की जून 2022 में कुल बिक्री में से 1,25,710 वाहन घरेलू बाजार में बेचे जबकि 6,314 वाहन ओईएम के तहत बेचे और 23,833 वाहनों का निर्यात किया। माह के दौरान घरेलू बाजार में कंपनी ने 1.29 प्रतिशत की वृद्धि के साथ कुल 1,32,024 वाहन बेचे। जून 2021 में यह आंकड़ा 1,30,348 वाहनों का था। कंपनी ने जून 2022 में 23,833 वाहनों का निर्यात किया जो जून 2021 में निर्यात किए गए 17,020 वाहनों से 40.03 प्रतिशत अधिक है।

मारुति सुजुकी ने कहा कि इलेक्ट्रोनिक उपकरणों की कमी का वाहनों के निर्माण पर बहुत छोटा असर पड़ा है, खासतौर पर घरेलू मॉडलों पर। कंपनी ने इसके प्रभाव को कम करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए हैं। कंपनी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार जून 2022 में मिनी सेगमेंट में अल्टो और एस-प्रेसो मॉडल की 14,442 कार बिकी जबकि जून 2021 में यह संख्या 17,439 थी। कॉम्पेक्ट सेगमेंट में कंपनी ने बलेनो, सेलेरियो, डीजायर, इग्निस, स्वीफ्ट, वैगनआर और टूर एस मॉडल के 77,746 वाहन बेचे जोकि इससे पिछले वर्ष के समान माह की तुलना में बेचे गए 68,846 वाहनों से अधिक हैं। कंपनी के एकलौते मिड-साइज सेगमेंट की कार सियाज के इस माह में 1,507 इकाई बिकीं जिनकी संख्या जून 2021 में 602 थी। यूटिलिटी वाहन सेगमेंट में कंपनी ने ब्रेज्जा, अरटिगा, एस-क्रोस और एक्सएल-6 की बिक्री में गिरावट दर्ज की गयी।

विनिर्माण क्षेत्र में वृद्धि जून में बनी रही, मई के मुकाबले रफ्तार हल्की : पीएमआई सूचकांक

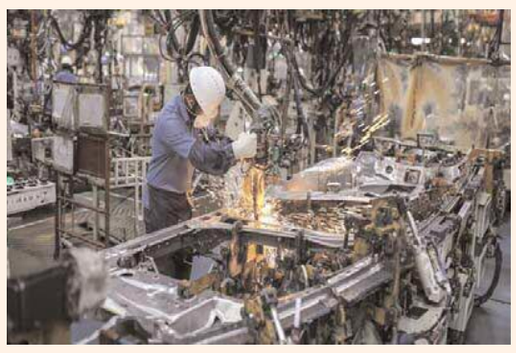

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूत मांग के कारण विनिर्माण क्षेत्र के कारोबार में सुधार जून में भी बना रहा लेकिन मई की तुलना में इसकी रफ्तार कम हुई। एक रेटिंग एजेंसी के प्रतिष्ठित मासिक सर्वे में यह तथ्य सामने आया है।

एसएंडपी ग्लोबल इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) जून में 53.9 रहा जबकि एक माह पहले यह 54.6 था।

इस सूचकांक का 50 अंक से ऊपर रहना विनिर्माण गतिविधियों में विस्तार का संकेत है और उससे नीचे होने का मतलब संकुचन होता है।

सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्पादन में बढ़ोतरी, कारखानों के आर्डर, परचेज स्टॉक और रोजगार में वृद्धि की रफ्तार कम होने से जून में पीएमआई नीचे आ गया। इस दौरान आपूर्तिकर्ताओं के प्रदर्शन में सुधार दिखा।

एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस की अर्थशास्त्री और सहायक निदेशिका पोलियाना डी लीमा ने कहा कि भारतीय विनिर्माण उद्योग ने वित्तीय वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में ठोस प्रदर्शन किया। भू-राजनैतिक चुनौतियों के बीच मुद्रास्फीति के दबाव, बढ़ती ब्याज दरों, रुपये के मूल्य ह्रास के समक्ष इस क्षेत्र ने मजबूत प्रदर्शन किया।

देश भर में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग बंद, कैट ने चलाया अभियान

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने शुक्रवार से देश भर के व्यापारियों तथा उनके कर्मचारियों को सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध के आदेशों के नियमों का पालन करने और इसके किसी भी उपयोग को हतोत्साहित करने को लेकर एक व्यापक जागरूकता अभियान शुरू किया है जो 31 जुलाई तक चलेगा। देश में आज से सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध शुरू हो गया है।

कैट ने एक बयान में कहा कि देश भर में व्यापारियों ने समुचित विकल्पों के अभाव के बावजूद अपनी दुकानों पर प्लास्टिक की थैलियों के स्थान पर कागज, जूट एवं कपड़े आदि के थैलो में सामान देना शुरू कर दिया है।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने बताया की

इस अभियान में देश भर के 40 हजार से ज्यादा व्यापारी संगठन जुटेंगे और अपने राज्य एवं शहरों में स्थित बाजारों में व्यापारियों के बीच इस अभियान को चलाएँगे। देश भर में सभी बड़े एवं छोटे निर्माताओं एवं उत्पादकों से आग्रह किया गया है कि वो कोई भी सामान सिंगल यूज पैकिंग में व्यापारियों को न दें।

उन्होंने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक का पिछले कई दशकों में उपयोग में बहुत तेज़ी से वृद्धि हुई है और पर्याप्त विकल्पों के अभाव में एक दम से उपयोग बंद होना मुश्किल है किंतु फिर भी व्यापारियों ने अन्य उपलब्ध विकल्पों में ही अपने ग्राहकों को सामान देने का निश्चय किया है। देश भर में सिंगल यूज प्लास्टिक का व्यापार लगभग 20 हज़ार करोड़ रुपये का होने का अनुमान है। प्लास्टिक कचरा प्रबंधन संशोधन नियम, 2021 के अंतर्गत सिंगल यूज प्लास्टिक के किसी भी सामान के निर्माण, आयात, भंडारण, वितरण, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लग गया है। इस प्रकार से प्लास्टिक की छड़ियों के साथ ईयर बड, प्लास्टिक के झंडे, कैंडी की छड़ें, आइसक्रीम की छड़ें, सजावट के लिए पॉलीस्टाइनिन (थर्मोकोल), प्लास्टिक की प्लेट-कप, रैपिंग या पैकिंग फिल्म 100 माइक्रोन से कम आदि पर प्रतिबंध लग गया है।

सार संक्षेप

अमेज़न बिज़नेस का लॉन्च हुआ नया एंड्रॉइड और आईओएस ऐप

नई दिल्ली। अमेजन बिजनेस ने एक नया एंड्रायड और आईओएस ऐप लॉन्च करने की घोषणा की है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि इस ऐप को विशेष रूप से बिजनेस ग्राहकों के खरीद अनुभव को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। नए और एक्सक्लूसिव ऐप के लॉन्च के साथ, ग्राहक अब अपने कारोबार को चलाने के लिए जरूरी सप्लाई ऑर्डर करने के लिए डेस्कटॉप/लैपटॉप की बजाय स्मार्टफोन की मदद से आसानी से चलते-फिरते बिजनेस एक्सक्लूसिव फीचर्स तक आसानी से पहुंच सकते हैं। अमेजन बिजनेस ऐप को लॉन्च करने से पहले, व्यावसायिक ग्राहकों को अमेजन ऐप से अपने पर्सनल अकाउंट से लॉगआउट करना होगा और अपने मोबाइल से व्यावसायिक खरीदारी के लिए अपने अमेजन बिजनेस खाते से लॉगिन करना होगा।

एनडीडीबी बाढ़ से प्रभावित असम को 1.5 करोड़ रुपये दान करेगी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड ने पश्चिम असम दूध संघ (वामुल) के माध्यम से बाढ़ से प्रभावित असम में पशुओं की तत्काल आवश्यकता को पूरा करने के लिए लगभग 500 मीट्रिक टन पशु आहार के लिए 1.5 करोड़ रुपये का दान करने का निर्णय लिया है। एनडीडीबी द्वारा प्रबंधित वामुल को यह परामर्श दिया जा रहा है कि वे अपने आपूर्ति नेटवर्क का उपयोग करें और पशु आहार के निर्बाध वितरण के लिए स्थानीय प्राधिकारियों के साथ समन्वय करें। एनडीडीबी के अध्यक्ष मीनेश शाह ने उन सभी लोगों के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त की जिनके जान-माल और आजीविका की हानि हुई है। उन्होंने माननीय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में असम सरकार द्वारा आपदा के इस समय में बाढ़ से प्रभावित लोगों के बचाव कार्य की व्यवस्था करके आपदा प्रबंधन करने और बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक राहत सामग्री वितरित करने की सराहना की। उन्होंने बाढ़ के कारण लोगों के पशुधन की हुई हानि को रजिस्टर करने के लिए एक पोर्टल का शुभारंभ करने की सराहना की।

दूरसंचार विभाग का आईटीआई लिमिटेड और बीएसएनएल के साथ समझौता

नई दिल्ली। संचार मंत्रालय के दूरसंचार विभाग ने यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फंड (यूएसओएफ) के तहत सी-डॉट कोर के साथ 4जी/5जी प्रोटोटाइप के एकीकरण सहित ई-बैंड, एलटीई स्वदेशी प्रौद्योगिकियों की पायलट परियोजनाओं के वित्त पोषण के लिए भारतीय टेलीफोन उद्योग (आईटीआई) लिमिटेड और भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फंड (यूएसओएफ), ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में दूरसंचार क्षेत्र में नए तकनीकी विकास को शामिल करने के अपने कार्यक्रम के तहत, इन प्रौद्योगिकियों के विकास और मजबूती के लिए लगभग 10-10 करोड़ रुपये लागत की 4 पायलट परियोजनाओं को वित्तपोषित कर रहा है। स्वदेशी कंपनियां एस्ट्रोम टेक्नोलॉजीज, लेखा वायरलेस सॉल्यूशंस, रेजोनस टेक्नोलॉजीज, सिग्नलट्रॉन इन परियोजनाओं को सी-डॉट और डीओटी की सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम बीएसएनएल और आईटीआई के साथ साझेदारी में निष्पादन करेंगी।

तीसरे दिन गिरा बाजार

मुंबई, 1 जुलाई (एजेंसियां)। एशियाई बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर एनर्जी एवं तेल और गैस समूह की कंपनियों में हुयी बिकवाली के दबाव में शेयर बाजार आज लगातार तीसरे दिन गिरावट में रहा।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 111.01 अंक गिरकर 53 हजार अंक के स्तर से नीचे 52907.93 अंक पर रहा। इसी तरह से नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 28.20 अंक उतरकर 15752.05 अंक पर रहा।दिग्गज कंपनियों में जहां बिकवाली देखी गयी वहीं छोटी और मझौली कंपनियों में लिवाली का जोर रहा जिससे बीएसई का मिडकैप 0.67 प्रतिशत बढ़कर 21858.93 अंक पर और स्मॉलकैप 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24807.74 अंक पर रहा।

बीएसई में कुल 3511 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 1738 बढ़त में और 1546 गिरावट में रही जबकि 227 में कोई बदलाव नहीं हुआ। बीएसई में शामिल समूहों में से एनर्जी 3.99 प्रतिशत और तेल एवं गैस 3.21 प्रतिशत की गिरावट में रहने वाले बड़े समूह रहे। इसी तरह से

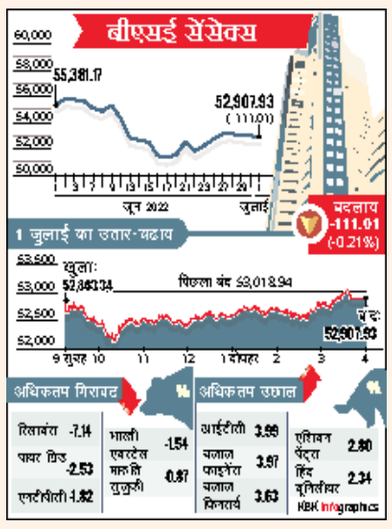

एफएमसीजी 2.47 प्रतिशत, रियल्टी 1.65 प्रतिशत और वित्त 1.01 प्रतिशत की बढ़त में रहा।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यूरोपीय बाजार हरे निशान में जबकि एशियाई बाजार लाल निशान में दिखे। ब्रिटेन का एफटीएसई 0.17 प्रतिशत और जर्मनी का डैक्स 0.31 प्रतिशत की बढ़त में रहा जबकि जापान का निक्केई 1.73 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेग 0.62 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.32 प्रतिशत की गिरावट में रहा।

बीएसई का सेंसेक्स 155 अंकों की गिरावट लेकर 53 हजार के स्तर से नीचे 52863.34 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 53054 .04 अंक के उच्चतम स्तर तक गया लेकिन बिकवाली के दबाव में यह 52094.25 अंक तक टूटा। अंत में यह पिछले दिवस के 53018.94 अंक की तुलना में 0.21 प्रतिशत अर्थात 111.01 अंक उतरकर 52907.93 अंक पर रहा। सेंसेक्स में शामिल 30 में 22 कंपनियों हरे निशान में जबकि आठ लाल निशान में दिखी।

एनएसई का निफ्टी 77 अंकों की गिरावट लेकर 15703.70 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 15793.95 अंक के उच्चतम और 15511.05 अंक के निचले अंक के बीच रहा। अंत में यह पिछले दिवस के 15780.25 अंक की तुलना में 18.20 अंक अर्थात 0.18 प्रतिशत टूटकर 15752.05 अंक पर रहा। निफ्टी में शामिल 50 कंपनियों में से 39 हरे निशान में जबकि 11 लाल निशान में दिखी।

चुनिंदा खाद्य तेलों और दालों में नरमी, चीनी गुड़ गरम

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में चुनिंदा खाद्य तेलों में नरमी रही। इस तरह से दाल दलहन के बाजार में गिरावट का रूख देखा गया जबकि आवक घटने से मीठे के बाजार में तेजी रही। इस दौरान चावल और गेहूँ स्थिर रहा।

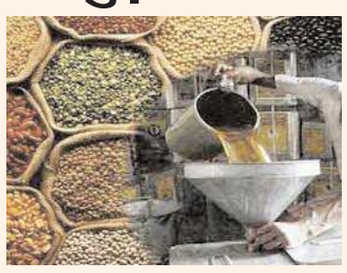

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जुलाई वायदा 187 रिंगिट बढ़कर 4875 रिंगिट प्रति टन हो गया। वहीं, अमेरिकी सोया तेल का जुलाई वायदा जुलाई वायदा 0.12 सेंट की गिरावट लेकर 66.86 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान सोया रिफाइंड 368 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति 366 रुपये प्रति क्विंटल नरम पर गया जबकि मूंगफली , सरसों तेल, पाँम ऑयल और सूरजमुखी तेल में टिकाव रहा।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में आवक घटने से तेजी रही। चीनी 20 रुपये प्रति क्विंटल और गुड़ 100 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में गिरावट रही। इस दौरान चना, चना दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल, मूंग दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल और अरहर दाल भी 100 रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी। उड़द दाल और मसूर दाल में टिकाव रहा।

अनाज : अनाज मंडी में चावल और गेहूँ टिका रहा।

दाल-दलहन : चना 4400-4500,दाल चना 5400-5500, मसूर काली 8600-8700, मूंग दाल 8200-8300, उड़द दाल 9700-9800, अरहर दाल 8200-8300 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

भारत-इंग्लैंड एफटीए सीआईएबीसी ने एक समान अवसर देने की मांग की

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच ट्रेड वार्ता के आगे बढ़ने के बीच कंफैडरेशन आफॅ इंडियन अल्कोहोलिक बेवरेज कंपनीज (सीआईएबीसी) ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री को पत्र लिखकर मांग की है कि वे सुनिश्चित करें कि इंग्लैंड नॉन टैरिफ मैजर्स (ह्वज्ञरू) वापस ले। जिसका उपयोग इंग्लैंड भारतीय उत्पाद को उनके बाजार में प्रवेश करने से रोकने के लिए करता है।

सीआईएबीसी के डायरेक्टर जनरल विनोद गिरी ने कहा कि कोई एफटीए या विदेशी कारोबारी अनुबंध यह जरूर सुनिश्चित करे कि सभी को एक समान अवसर मिलेंगे और सभी के लिए नियम एक होंगे। कोई भी पक्ष किसी नियम का दुरूपयोग अपने हित के लिए नहीं करेगा। जब तक इंग्लैंड भारतीय व्हीस्की के लिए मिनिमम मैटरूयूसन रिक्यारमेंट के नियम को नहीं हटाता है। उस समय तक इस क्षेत्र में लाभ केवल इंग्लैंड के पक्ष में रहेगा। इससे भारत को कोई फायदा नहीं होगा। भारत दुनिया में सबसे अधिक व्हीसकी उत्पादन करने वाला देश है। लेकिन इस नियम से उसकी व्हीसकी इंग्लैंड के बाजार में पहुंच ही नहीं पाएगी।

सीआईएबीसी ने कहा कि इंग्लैंड व्हीस्की के लिए तीन साल की मैज्युरिटी के नियम के सहारे गैर नैतिक तरीके से अपनी व्हीस्की इंडस्ट्री को प्रतिस्पर्धा से बचाव देता है। भारत में सबसे अधिक व्हीस्की बनती है। लेकिन एक सच यह भी है कि हर साल भारत से निर्यात होने वाले 70 लाख व्हीस्की केशेस में से 10 हजार केशस भी इंग्लैंड में नहीं पहुंच पाती है। इसका मुख्य कारण उसका तीन साल का नियम है। अगर उसके नियम को माना जाए तो इसके बनाने के दौरान उससे हवा में चले जाने वाले पदार्थ की वजह से भारतीय उत्पादकों को 30 प्रतिशत का नुकसान होता है। जिसकी वजह से वह इस नियम का अनुपालन कर ही नहीं सकते हैं।

कच्चे तेल पर 23,250 रुपये प्रति टन का उपकर लागू किया गया

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। सरकार ने कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से घरेलू उत्पादकों की मोटी कमाई के बीच इस पर 23,250 रुपये प्रति टन के हिसाब से उपकर लगा दिया है। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि यह उपकर विशेष अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क (एसएईडी) के रूप में लगाया गया है, लेकिन छोटे घरेलू उत्पादकों और आयातित कच्चे तेल को इस उपकर से मुक्त रखा गया है। घरेलू उत्पादक अंतर्राष्ट्रीय कीमतों की बराबरी करते हुये कच्चा तेल बेचते हैं। बयान में कहा गया है, 'हाल के महीनों में कच्चे तेल की कीमतों में बहुत तेजी देखी गई है। कच्चे तेल के घरेलू उत्पादक अंतर्राष्ट्रीय कीमतों की बराबरी करते हुये कच्चा तेल स्वदेशी रिफाइनरियों को बेचते हैं। परिणामस्वरूप, कच्चे तेल के घरेलू उत्पादक मोटी कमाई कर रहे हैं। इसे ध्यान में रखते हुये कच्चे तेल पर लगा दिया गया है।

वित्त मंत्रालय ने इस बयान में स्पष्ट कहा है, कच्चे तेल के आयात को इससे अलग रखा गया है। मंत्रालय ने यह भी कहा है कि पेट्रोलियम उत्पादों/ईंधन की कीमतों पर इस

उपकर का कोई भी दुष्प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसके अलावा छोटे उत्पादकों, जिनका कच्चे तेल का वार्षिक उत्पादन पिछले वित्त वर्ष के मद्देनजर दो लाख बैरल से कम होगा, उन्हें इस उपकर से छूट रहेगी।

बयान में कहा गया है कि कच्चे तेल का कोई उत्पादक, जिसने पिछले वर्ष कच्चे तेल का कुछ अतिरिक्त उत्पादन किया है, तो कच्चे तेल की उस मात्रा पर कोई उपकर नहीं लगाया जायेगा। यह कदम पिछले वर्ष के दौरान अतिरिक्त उत्पादन को प्रोत्साहन देने के लिये उठाया गया है।

पेट्रोल-डीजल के दाम 41वें दिन भी स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में उतार-चढाव के बीच शुक्रवार को घरेलू स्तर पर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया जिससे लगातार 41 वें दिन ईंधन के दाम स्थिर रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार दिल्ली में आज पेट्रोल का दाम 96.72 रुपये और डीजल का दाम 89.62 रुपये प्रति लीटर है, जबकि मुंबई में पेट्रोल और डीजल की कीमत क्रमश: 111.35 रुपये और 97.28 रुपये प्रति लीटर पर है। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर राज्यों में अलग-अलग हैं। केंद्र सरकार ने मई के अंतिम सप्ताह में आम आदमी को बड़ी राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमश: आठ रुपये और छह रुपये प्रति लीटर की कटौती करने की घोषणा की थी।

सफेद गेंद क्रिकेट से वापसी करेंगे रोहित

- रोहित शर्मा इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 और वन डे मैचों की सीरीज में करेंगे भारत की कप्तानी
- धवन, रवींद्र जडेजा भारत की वन डे टीम में

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। विस्फोटक सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी-20 और तीन वन डे मैचों की क्रिकेट सीरीज में भारत की कप्तानी करेंगे। रोहित शर्मा आयरलैंड के खिलाफ अपनी कप्तानी में भारत को दो टी-20 मैचों की सीरीज 2-0 से जिताने वाले हार्दिक पांडया से यह जिम्मेदारी संभालेंगे। अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने वनडे के लिए भारतीय टीम में स्थान बरकरार रखा है जबकि फिट होकर रवींद्र जडेजा फिट होकर दूसरे और तीसरे टी-20 मैच के साथ तीन वन डे मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम में वापसी की। वेस्ट इंडीज के खिलाफ भारत की वन डे टीम का हिस्सा रहे तेज गेंदबाज दीपक चाहर और बाएं हाथ के लेग स्पिनर कुलदीप यादव अभी एनसीए में अपनी चोट से उबरने में जुटे हैं और इसीलिए इन्हें फिलहाल भारत की किसी भी टीम में जगह नहीं दी गई है। आयरलैंड के खिलाफ दूसरे टी-20 में सेंचुरी जडने् वाले दीपक हुड्डा और रफ्तार के सौदागर उमरान मलिक ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी-20 मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम में जगह बरकरार रखे हैं।

भारत की टीम इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी 20 मैच 7 जुलाई (साउथम्पटन), 9 जुलाई(बर्मिंघम) और 10 जुलाई (नॉटिंघम) को खेलेगी। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ तीन वन डे मैच 12 जुलाई (ओवल, लंदन), 14 जुलाई (लॉडर्स) और 17 जुलाई (मैनचेस्टर) में खेलेगी। रोहित शर्मा कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के कारण मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ आज यानी शुक्रवार से एजबेस्टन में शुरू हुए पुनर्निर्धारित पांचवें टेस्ट मैच से बाहर हैं। रोहित शर्मा को इंग्लैंड के खिलाफ 7 जुलाई को साउथम्पटन में खेले जाने वाले पहले टी-20 तक पहले कोरोना से उबरने के लिए पर्याप्त वक्त मिल जाएगा। रोहित बहुत हुआ तो पहले टी-20 में न खेले लेकिन इसके बाद मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ बाकी दो टी-20 और वन डे मैचों में उनका खेलना तय ही है।

भारत ने दरअसल इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी-20 के अलग और दूसरे व तीसरे टी-20 के अलग टीमें इसलिए चुनी हैं। इसका कारण यह है कि एजबेस्टन में पांचवां टेस्ट पांच जुलाई को खत्म होगा और पहला टी-20 सात जुलाई को साउथम्पटन मे खेला जाएगा। विराट कोहली, श्रेयस अय्यर , ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन में शुक्रवार से शुरू पांचवें और आखिरी टेस्ट के लिए भारतीय टीम में और इसीलिए ये पांचों दूसरे और तीसरे टी-20 से ही टीम से जुड़ेंगे। मतलब यह है कि पहले टी-20 के लिए भारतीय टीम में शामिलऋतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन, वेंकटेश अय्यर और नवोदित राहुल त्रिपाठी और अर्शदीप को दूसरे और तीसरे टी-20 के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया है।

रवींद्र जडेजा और हार्दिक पांडया ने फिट होकर इंग्लैंड के खिलाफ तीन वन डे मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम में वापसी की है। अर्शदीप सिंह को चयनकर्ताओं ने पहली बार वन डे के लिए टीम मे बुलाया है। साथ ही मेहमान वेस्ट इंडीज टीम के खिलाफ पिछली सीरीज से बाहर शार्दूल ठाकुर, अक्षर पटेल और हार्दिक पांडया की भी वन डे सीरीज के लिए भारतीय टीम में वापसी हुई है। चयनकर्ताओं ने मोहम्मद शमी को टी-20 में शामिल नहीं किया गया है।

भारत की पहले टी20 के लिए टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), इशान किशन, ऋतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन, सूर्य कुमार यादव, दीपक हुड्डा, राहुल त्रिपाठी, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पांडया, वेंकटेश अय्यर, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, आवेश खान, अर्शदीप सिंह, उमरान मलिक

भारत की दूसरे और तीसरे टी-20 के लिए टीम : रोहित शर्मा, (कप्तान), इशान किशन, विराट कोहली, सूर्य कुमार यादव, दीपक हुड्डा, श्रेयस अय्यर, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), ऋषभ पंत(विकेटकीपर), हार्दिक पांडया, रवींद्र जडेजा, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार, आवेश खान, हर्षल पटेल, उमरान मलिक।

भारत की तीन वन डे के लिए टीम : रोहित शर्मा, (कप्तान), शिखर धवन, इशान किशन, विराट कोहली, सूर्य कुमार यादव, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत(विकेटकीपर), हार्दिक पांडया, रवींद्र जडेजा, शार्दूल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद शमी,

टेस्ट कप्तानी मेरे करियर की एक बड़ी उपलब्धि है : बुमराह

मेरे लिए कुछ बदलेगा नहीं, मुझे अब भी अपना काम करना है। आप अपना काम सही ढंग से करते हुए टीम को एकजुट रख सकते हो : **जसप्रीत बुमराह**

बर्मिंघम, 1 जून (एजेंसियां)। भारत के नए टेस्ट कप्तान जसप्रीत बुमराह काफी उत्साहित नजर आए। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए एक बडी उपलब्धि है, एक बडा सम्मान है। मेरे लिए टेस्ट मैच खेलना एक सपना था और ऐसा मौका मिलना शायद मेरे करियर की सबसे बडी उपलब्धियों में से एक है। मैं बहुत खुश हूं कि मुझे यह मौका दिया गया है।

गुरुवार सुबह ही प्रमुख कोच राहुल द्रविड ने रोहित शर्मा के पॉजिटिव पाए जाने के बाद बुमराह को कप्तान नियुक्त किए जाने की सूचना दी। बुमराह ने कहा, हम रोहित (की रिपोर्ट की पुष्टि होने) का इंतजार कर रहे थे। आज (गुरुवार) सुबह भी हमने एक टेस्ट किया और वह उसमें पॉजिटिव पाए गए। फिर कोच के साथ मेरी बातचीत हुई जिसके बाद उन्होंने कप्तानी की घोषणा की।

आईसीसी की टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में तीसरे स्थान पर विराजमान बुमराह ने सबसे पहले यह खबर अपने परिवारजनों को सुनाई। जब मुझे इस उपलब्धि के बारे में पता चला तो मैंने अपने परिवार को बताया। मैं खुश हूं और उन्हें मुझ पर गर्व है। मुझे खुद पर गर्व हो रहा है।

दिसंबर 2018 में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर अपना टेस्ट डेब्यू करने के बाद से बुमराह भारतीय टीम की महत्वपूर्ण कडी बन चुके हैं। पटौदी ट्रॉफी के पहले चार मैचों में 20.83 की औसत से 18 विकेट लेकर वह भारत की ओर से सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। वह एक साल बाद और अनुभवी हैं और श्रीलंका के खिलाफ भारत की पिछली टेस्ट सीरीज में उपकप्तान भी रह चुके हैं। उस समय बुमराह ने कहा था कि वह प्रेरित हैं और भविष्य में भारत का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी से हिचकिचाएंगे नहीं।

अब कप्तान चुने जाने के बाद वह अतिरिक्त जिम्मेदारी के बारे में जानते हैं। उन्होंने कहा, मेरे लिए कुछ बदलेगा नहीं, मुझे अब भी अपना काम करना है। आप अपना काम सही ढंग से करते हुए टीम को एकजुट रख सकते हो। मैं यही करना चाहता हूं। हमारे पास एक अच्छी और अनुभवी टीम है। साथ ही मेरी मदद करने के लिए कई लोग मौजूद हैं। मैं टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देना चाहता हूं।

सिंधु और प्रणय की चुनौती क्वार्टरफाइनल में समाप्त

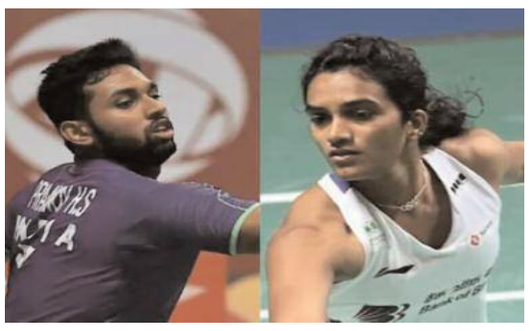

कुआलालम्पुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व विश्व चैंपियन भारत की पीवी सिंधु और एच एस प्रणय का मलेशिया ओपन सुपर 750 सीरीज बैडमिंटन टूर्नामेंट में अभियान शुक्रवार को क्वार्टरफाइनल में हार के साथ समाप्त हो गया। सिंधु को दूसरी सीड चीनी ताइपे की ताई जू यिंग के हाथों तीन गेमों में हार का सामना करना पड़ा जबकि प्रणय को सातवीं सीड इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी ने लगातार गेमों में हराया।

सिंधु ने यह मुकाबला 53 मिनट में 21-13, 15-21, 13-21 से गंवाया। ताई जू यिंग ने इस जीत से भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ अपना करियर रिकॉर्ड 16-5 कर लिया है। प्रणय को क्रिस्टी ने 44 मिनट में 21-18, 21-16 से पराजित किया।

भारतीय खिलाड़ी पहला गेम जीतने के बाद इस लय को बरकरार नहीं रख पायीं और अगले दो गेम हार गयीं। सिंधु को जू यिंग से इस तरह लगातार छठी हार का सामना करना पड़ा।

दीप्ति के हरफनमौला खेल से जीता भारत

पल्लेकेल, 1 जुलाई (एजेंसियां)। प्लेयर ऑफ द मैच दीप्ति शर्मा (25/3 और नाबाद 22) के बेहतरीन हरफनमौला प्रदर्शन से भारत ने श्रीलंका को पहले वनडे में शुक्रवार को चार विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।

श्रीलंका ने 48.2 ओवर में 171 रन बनाये जबकि भारत ने 38 ओवर में छह विकेट पर 176 रन बनाकर जीत अपने नाम की। मुश्किल पिच पर बल ?लेबाजी करना दोनों ही टीमों के लिए आसान नहीं रहा। टर्न लेती गेंदों पर स्पिनरों ने बल्लेबाजों को खूब नचाया। पहले रेणुका सिंह और दीप्ति शर्मा के तीन-तीन विकेटों की बदौलत भारतीय टीम ने श्रीलंका को 171 रनों पर पवेलियन भेज दिया। श्रीलंका की तरफ से नीलाक्षी डिसिल्वा ने सर्वाधिक 43 और हसिनी परेरा ने 37 रन बनाये। इसके बाद श्रीलंकाई स्पिनरों ने भी भारतीय बल्लेबाजों की अच्छी परीक्षा ली, लेकिन भारतीय बल्लेबाजों का अनुभव काम आया। पहले शेफाली वर्मा ने 40 गेंदों में 35 रन की तेजतर्रार पारी खेली। इसके बाद हरमनप्रीत (44) और हरलीन देओल (34) ने बेहतरीन साझेदारी करके भारत को मैच से बाहर नहीं होने दिया। हालांकि श्रीलंकाई स्पिनर इनोका ने जल्द तीन विकेट लेकर भारत के लिए मुश्किल कर दिया था, लेकिन बाद में दीप्ति (नाबाद 22) और पूजा वस्त्रकर (नाबाद 21) ने संयम से बल्लेबाजी करके भारत को जीत दिला दी। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जीत के बाद कहा, यह जीत हमारे लिए जरूरी थी। रन बनाकर अच्छा लगा। अच्छा लग रहा है कि हम जो चाहते थे वही हुआ। हम अधिक से अधिक साझेदारी बनाना चाहते थे। इस बार ऐसा अधिक नहीं हो सका लेकिन अगले मैच में हम ऐसा करने की कोशिश करेंगे। शेफाली अधिक गेंदबाजी नहीं करती है, लेकिन वह अभी युवा है और मैं चाहती हूं कि वह गेंदबाजी में अच्छा करे। श्रीलंका ने अच्छी गेंदबाजी की, बायें हाथ की गेंदबाज इनोका विकेट ले रही थी और दूसरी ओर अन्य स्पिनर दबाव बना रहे थे। श्रीलंका की कप्तान चमारी अटटापटटू ने कहा, यह अच्छी शुरुआत नहीं थी। हमने 50 रन कम बनाए। चीज यह है कि 230 इस विकेट पर बनने चाहिए थे। वहीं शेफाली पहले 10 ओवर में अच्छा खेल गई जिसकी वजह से हमारी मुश्किल बढ़ती गई। इनोका शानदार गेंदबाज हैं, यह उन्होंने इस बार भी दिखाया।

नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग में जीता रजत पदक

डायमंड लीग
- 89.30 मीटर दूरी तक फेंका भाला
- 89.30 मीटर का अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड को किया बेहतर

स्टॉकहोम, 1 जुलाई (एजेंसियां)। ओलंपिक चैम्पियन भारत के नीरज चोपड़ा ने गुरूवार को प्रतिष्ठित डायमंड लीग में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ते हुए रजत पदक जीता। हालांकि वह काफी करीब से 90 मीटर दूर भाला फेंकने से चूक गये। लेकिन उन्हें भरोसा है कि वह इस साल इस लक्ष्य को हासिल कर लेंगे।

भारतीय सेना के सूबेदार नीरज पहली बार डायमंड लीग शीर्ष तीन में जगह बनाने में सफल रहे। 24 साल के एथलीट ने पहले ही प्रयास में 89.94 मीटर दूर भाला फेंका जिससे वह महज छह सेंटीमीटर से 90 मीटर से चूक गय। इस दौरान उन्होंने अपने 89.30 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड को बेहतर किया जो उन्होंने 14 जून को फिनलैंड के तुर्कु में पावो नुर्मी खेलों में दूसरे स्थान पर रहकर बनाया था। नीरज के अन्य थ्रो 84.37 मी, 87.46 मी, 84.77 मी, 86.67 मी और 86.84 मी के रहे। चोपड़ा ने रजत पदक जीतने के बाद 'जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स' से कहा, ''पहला थ्रो काफी अच्छा था, मुझे अच्छा लग रहा है। ऐसा नहीं था कि पहले थ्रो में ही करना है। 90 मीटर के काफी करीब था और लग रहा था कि कर दूंगा, पर अपना सर्वश्रेष्ठ किया तो अच्छा लग रहा है। विश्व चैम्पियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स ने 90.31 मीटर की दूरी से स्वर्ण पदक जीता. उन्होंने यह दूरी तीसरे प्रयास में हासिल की। चोपड़ा ने कहा, मैं अब 90 मीटर के करीब हूं और इस साल मैं ऐसा कर सकता हूं। आज नहीं जीता लेकिन मुझे अच्छा लग रहा है क्योंकि मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ किया। चोपड़ा अगस्त 2018 में ज्यूरिख में डायमंड लीग मीट में चौथे स्थान पर रहे थे।

चोपड़ा ने कहा, प्रतिस्पर्धा थी लेकिन मैं खुश हूं कि मेरे सभी थ्रो काफी अच्छे थे। मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं। मैं लंबे समय बाद खेल रहा हूं और अगली प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करूंगा। चोपड़ा की निगाहें 15 से 24 जुलाई तक अमेरिका के यूजीन में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर लगी हुई हैं। विश्व चैम्पियनशिप में भारत का सिर्फ एक ही पदक है। लंबी कूद की महान एथलीट अंजू बॉबी जार्ज ने 2003 में कांस्य पदक से हासिल किया था।

दबाव के बारे में उन्होंने कहा, नहीं, विश्व चैम्पियनशिप में एक ही पदक है, इसका कोई दबाव नहीं है. बस पूरी कोशिश करेंगे। वैसे ओरेगोन में जाकर ही पता चलेगा। हर प्रतियोगिता, प्रत्येक दिन अलग होता है। जब मैं ओरेगोन में खेलना शुरू करूंगा तो ही पता चलेगा कि मैं ओलंपिक चैम्पियन का दबाव महसूस कर रहा हूं या नहीं।

ऑस्ट्रेलिया का पहले टेस्ट में परफेक्ट 10

गाले, 1 जुलाई (एजेंसियां)। नाथन लियोन (31 रन पर चार विकेट), ट्रेविस हैड (10 रन पर चार विकेट) और मिचेल स्वेप्सन (34 रन पर दो विकेट) की घातक गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को पहले टेस्ट में तीसरे दिन शुक्रवार को 113 रन पर ढेर कर मुकाबला 10 विकेट से जीत लिया।ऑस्ट्रेलिया ने इस जीत से दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है।

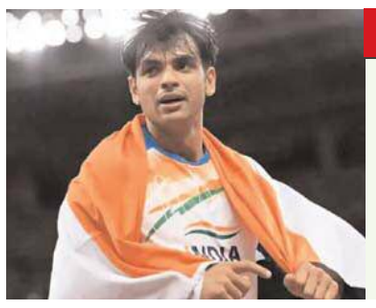

ऑस्ट्रेलिया ने आठ विकेट पर 313 रन से आगे खेलते हुए 321 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया ने 109 रन की बढ़त बना ली।ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को दूसरी पारी में 113 रन पर समेट दिया। ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए पांच रन का लक्ष्य मिला जो उसने बिना कोई विकेट खोये 10 रन बनाकर हासिल कर लिया।

श्रीलंका ने पहली पारी में 212 रन बनाये थे। दूसरी पारी में उसका प्रदर्शन ज्यादा खराब रहा और टीम 113 रन पर सिमट गयी। ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में 77 रन बनाने वाले कैमरून ग्रीन को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। श्रीलंका की दूसरी पारी में कप्तान दिमुथ करुणारत्ना ने सर्वाधिक 23 रन बनाये।

ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में डेविड वार्नर ने चार गेंदों में एक चौका और एक छक्का उड़ाते हुए नाबाद 10 रन बनाकर मैच समाप्त कर दिया।

इंग्लैंड के नए वनडे और टी20 कप्तान चुने गए बटलर

लंदन, 1 जुलाई (एजेंसियां)। इयोन मॉर्गन के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद जॉस बटलर को इंग्लैंड की वनडे और टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया हैं। 31 वर्षीय बटलर मॉर्गन के साढ़े सात सालों के कार्यकाल में कई बार टीम की कमान संभाल चुके हैं। उन्होंने नौ वनडे और पांच टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में इंग्लैंड का नेतृत्व किया हैं। भारत के ख़िलाफ़ सात जुलाई से शुरू हो रही टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज़ से बटलर बतौर नियमित कप्तान अपने कार्यकाल का शुभारंभ करेंगे। 25 दिनों के भीतर इंग्लैंड को छह वनडे और छह टी20 अंतर्राष्ट्रीय मुक़ाबले खेलने हैं। सफ़ेद गेंद क्रिकेट में टीम के प्रमुख कोच मैथ्यू मॉट के साथ बटलर का ध्यान इस साल ऑस्ट्रेलिया में खेले जाने वाले टी20 विश्व कप के साथ-साथ अगले साल खेले जाने वाले वनडे विश्व कप पर भी होगा। इंग्लैंड मौजूदा वनडे चैंपियन है और टीम भारत में अपने ख़िताब का बचाव करने का पूरा प्रयास करेगी। इंग्लैंड पुरुष क्रिकेट के निदेशक रॉब की ने कप्तानी पद के लिए बटलर की सिफ़ारिश की थी और बुधवार को उनकी नियुक्ति हुई। रॉब ने कहा, सफ़ेद गेंद की क्रिकेट में मॉर्गन के उत्तराधिकारी के रूप में बटलर सबसे सही दावेदार हैं। वह एक दशक से हमारी टीम का हिस्सा रहे हैं और पिछले सात सालों में आक्रामक शैली अपनाने वाली टीम की महत्वपूर्ण कड़ी बनकर उभरे हैं। बटलर ने कहा कि मॉर्गन से कप्तानी लेना एक बड़े सम्मान की बात है। उन्होंने मॉर्गन को अपनी सेवा के लिए धन्यवाद दिया।

हम किसी भी टीम को हल्के में नहीं ले सकते : वंदना

जब हमारी टीम टोक्यो ओलंपिक में खेल रही और तब हमें यह मालूम ही नहीं था किस तरह हमारे हॉकी प्रेमी भारत में हमारे मैच देखने के लिए अपने अपने टेलिविजन से चिपके रहे। टोक्यो ओलंपिक में पदक न जीत पाने और चौथे स्थान पर रहने पर हमें जितना प्यार मिला और हमारे प्रदर्शन को जिस तरह सराहा गया इसने हमें और बुलंदियों को चूमने को प्रेरित किया : **वंदना कटारिया**

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। 30 वर्ष की वंदना कटारिया भारत के लिए लगातार दो ओलंपिक खेल चुकी हैं और शुक्रवार से नीदरलैंड और स्पेन में शुरू हुए 15 वें महिला हॉकी विश्व कप के रूप में लगातार दूसरी बार इसमें शिरकत करने जा रही हैं। वंदना ने गंगा नगरी हरिद्वार में बीएचईएल से रोशनाबाद जैसे छोटे से गांव से आकर हॉकी में भारत और अपना नाम रोशन कर अपने एक दशक से ज्यादा लंबे करियर में पूरी एक पीढ़ी को हॉकी खेलने को प्रेरित किया। वंदना कटारिया भारत की बीते बरस टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने वाली और 2018 में जकार्ता में एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली टीम की सदस्य रहीं। अपनी समकालीन और कप्तान रही सदाबहार रानी रामपाल के अभी भी फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर रहने पर वंदना कटारिया पर इस महिला हॉकी विश्व कप में खुद गोल करने, गोल के मौके और पेनल्टी कॉर्नर बनाने के साथ ललरेमसियामी, नवनीत कौर, शर्मिला देवी से गोल करा भारत को मैच जिताने की जिम्मेदारी होगी। भारत की टीम पूल बी में इंग्लैंड, चीन और न्यूजीलैंड के साथ है। भारतीय महिला ओम अपना अभियान तीन जुलाई को इंग्लैंड के खिलाफ मैच से करेगी और फिर पांच जुलाई को चीन और सात जुलाई को न्यूजीलैंड से खेलेगी।

भारत के लिए 264 मैच खेल कर 75 गोल करने वाली स्ट्राइकर वंदना कटारिया ने कहा, हमारे लिए पूल चरण में हर मैच अहम है और हम किसी भी टीम को हल्के में नहीं ले सकते हैं। हमारे लिए सबसे होगा प्रतिद्वंद्वी टीम की बाबत ज्यादा सोचने के बजाय हर क्वॉर्टर में अपना सर्वश्रेष्ठ देना। हमने बरसों की मेहनत से यही सीखा है और यह हमारे लिए कारगर भी रहा है। हमारी टीम अपने देश और अपने प्रशंसकों के विश्व कप में पदक जीतना चाहती है। जब हमारी टीम टोक्यो ओलंपिक में खेल रही और तब हमें यह मालूम ही नहीं था किस तरह हमारे हॉकी प्रेमी भारत में हमारे मैच देखने के लिए अपने अपने टेलिविजन से चिपके रहे। टोक्यो ओलंपिक में पदक न जीत पाने और चौथे स्थान पर रहने पर हमें जितना प्यार मिला और हमारे प्रदर्शन को जिस तरह सराहा गया इसने हमें और बुलंदियों को चूमने को प्रेरित किया। हमने पिछले चार बरस के लिए इसके लिए जम कर तैयारी की है और इसके लिए तैयार हैं।

वंदना भारत की 2016 अृर 2017में एशियन चैंपियंस ट्रॉफी जीतने और 2018 में इसमें उपविजेता रहने वाली भारतीश टीम की अहम सदस्य रही। साथ ही भारत को एफआईएच महिला हॉकी प्रो लीग में तीसरा स्थान दिलाने में अहम भूमिका निभाई। वंदना कटारिया ने कहा, हमने चिली और आयरलैंड के खिलाफ इस विश्व कप के शुरू होने से पहले अभ्यास मैच खेले। ये दोनों अभ्यास मैच अच्छे रहे और इसमें आने वाले मैचों के लिए अपनी रणनीति को आजमाया और मैदान की थाह पाई।

सार संक्षेप

जमुना बोरो, अनंत चोपडे सहित 6 मुक्केबाज सेमीफाइनल में

नई दिल्ली। कजाकिस्तान की राजधानी नूर-सुल्तान में जारी इलोर्डा कप में भारतीय मुक्केबाजों ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। पहली बार आयोजित किए जा रहे टूर्नामेंट के तीसरे दिन शुक्रवार को 2019 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली जमुना बोरो की अगुवाई में छह मुक्केबाजों ने सेमीफाइनल में पहुंचकर अपने लिए पदक पक्का किया। जमुना बोरो (54 किग्रा) ने कजाकिस्तान की ऐशागुल येलुबायेवा के खिलाफ अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले के दौरान पूरी तरह से नियंत्रित खेल दिखाया। जमुना ने मजबूत कौशल दिखाते हुए 5-0 की आसान जीत के दौरान कई मौकों पर क्लीन पंच लगाए। रोहतक निवासी 2017 की विश्व युवा चैंपियन ज्योति गुलिया (52 किग्रा) ने कजाकिस्तान की झांसाया राखीम्बर्दी का सामना किया। पहले राउंड के दौरान ज्योति ने अपनी विरोधी खिलाड़ी के खेल को समझने की कोशिश की और फिर जोरदार वापसी करते हुए अपनी जीत तय की। ज्योति ने अपनी गति, सटीक घूंसों के दम पर यह मुकाबला 4-1 से अपने पक्ष में करते हुए अपने लिए पदक सुरक्षित किया। 2016 में आयोजित विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता सोनिया लाठेर (57 किग्रा) ने स्थानीय मुक्केबाज ज़ुल्दिज़ शायाखमेतोवा को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से हराया। इसी तरह अनंत चोपडे (54 किग्रा) ने भी कजाकिस्तान के अल्टिनबेक नूरसुल्तान को एकतरफा अंदाज में 5-0 से हराया, जबकि सचिन (57 किग्रा) ने दूसरे राउंड में चीन के अपने प्रतिद्वंद्वी ल्यू पिंग के चोटिल होने के बाद अंतिम -4 चरण में प्रवेश किया।

34 वर्षीय रिचर्ड ग्लीसन ने पहली बार इंग्लैंड की टीम में बनाई जगह

लंदन। लंकाशायर के 34 वर्षीय तेज़ गेंदबाज़ रिचर्ड ग्लीसन ने पहली बार इंग्लैंड की टीम में जगह बनाई है और भारत के ख़िलाफ़ अगले सप्ताह टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज़ में डेब्यू कर सकते हैं। ग्लीसन ने 27 वर्ष की उम्र में प्रथम श्रेणी में डेब्यू किया था। वह पीठ की चोट के कारण पिछले दो सीज़न में ज़्यादातर समय बाहर ही रहे। ग्लीसन ने इस साल टी20 ब्लास्ट में लंकाशायर लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था। उन्होंने प्रत्येक मैच खेला और 20 विकेट चटकाए, जो इंग्लैंड के गेंदबाज़ों में संयुक्त रूप से सबसे अधिक था। इंग्लैंड के पूर्णकालिक सीमित ओवरों के कप्तान के रूप में जॉस बटलर की पहली टीम में ग्लीसन सबसे उल्लेखनीय चयन हैं। एजबेस्टन में पांचवें टेस्ट में भारत के ख़िलाफ़ खेलने वाली इंग्लैंड की टीम में से कोई भी खिलाड़ी टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज़ में शामिल नहीं है, जो टेस्ट मैच के पांचवें दिन के दो दिन बाद शुरू होगी, लेकिन जॉनी बेयरस्टो, जो रूट और बेन स्टोक्स वनडे सीरीज़ में खेलेंगे। स्पिनर आदिल रशिद हज यात्रा करने गए हैं, जिसके कारण वह इस सीरीज़ में शामिल नहीं हो पाएंगे। उनकी जगह पर मैट पार्किंसन को दोनों टीमों में शामिल किया गया है।

संपादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी, एम. साहल, मुद्रक:-सोनू प्रिंटर्स सी-130, ओखला इन्डस्ट्रीयल एरिया फेस-I, नई दिल्ली-110020, प्रकाशित कार्यालय :- फैक्ट इंडिया न्यूज़, हिन्दी दैनिक, बिल्डिंग नं. 5, टॉप फ्लोर, निजामुद्दीन वेस्ट, नई दिल्ली-110013, संपादक एम. साहल, फोन/मोबाइल नं. 919560145736, website: www.factindianews.com , factindianews@gmail.com, इसके समस्त विवादों निपटारे न्यायोचित कार्यवाईयों एवं वादित मामलों के लिए क्षेत्राधिकार नई दिल्ली न्यायालय में रहेगा

REVIEW

रॉकेट्री- द नांबी इफेक्ट

कलाकार- आर माधवन , सिमरन , रजित कपूर , सैम मोहन और शाहरुख खान
लेखक- आर माधवन
निर्देशक-आर माधवन
निर्माता- सरिता माधवन , आर माधवन , वर्गीज मूलन और विजय मूलन

रॉकेट्री- द नांबी इफेक्ट' को देखना उन पलों को बार बार जीने जैसा है, जो मेरे जीवन का बीते तीन चार साल से हिस्सा रहे हैं। माधवन की इस फिल्म की मेकिंग को मैंने उस दिन से फॉलो किया है जब उन्होंने पहली बार मुझें नांबी नारायणन की सच्ची कहानी अपने मलाड वाले फ्लैट में सुनाई। उनके दिमाग में कहानी सिनेमा की शक्ल तभी ले चुकी थी। शुरू के तीन चार सीन जो उन्होंने तब सुनाए थे, वे हू ब हू फिल्म बनकर तैयार होने के बाद वैसे ही दिखते हैं। फिल्म का पहला कट बनकर तैयार हुआ तो मैंने ये फिल्म उन नांबी नारायणन के साथ बैठकर देखी जिन पर ये फिल्म बनी है। सामने परदे पर फिल्म चल रही थी, देखने वालों में हम सिर्फ दो, मैं और नांबी नारायणन। मैं आम दर्शक की तरह भावुक होकर अपने आंसू रोकने की कोशिश रहा था और हैरान इस बात पर हो रहा था कि अपनी ही कहानी परदे पर देख मेरी बगल वाली सीट पर बैठा देश का नामचीन अंतरिक्ष वैज्ञानिक भी सुबक रहा है। फिल्म 'रॉकेट्री- द नांबी इफेक्ट' उन सभी जुनूनी लोगों की कहानी है जो अपने हुनर को अपना हौसला बनाते है, घर परिवार

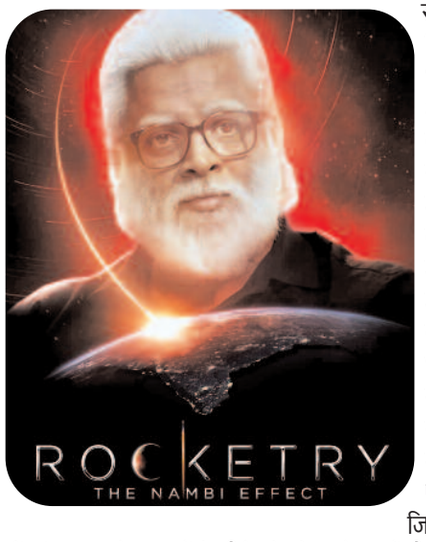

सब कि नारे ध के ल अपना सब कुछ काम में लगा देते हैं। ये फिल्म उन लोगों की भी कहानी है जिन्हें ऊपर जाता देख उनके आसपास के लोग ही पीठ में छुरा घोंप देते हैं। ये कामयाबी की तरफ बढ़ते एक जुनूनी इंसान की ऐसी कहानी है जिसे गलत आरोपों में फंसाकर उसे सलाखों के पीछे और देश को बरसों पीछे कर दिया गया। ये फिल्म आपको बताती है कि अगर नांबी नारायणन को तब साजिशन जेल में ना डाला गया होता और उनके अंतरिक्ष विज्ञान पर किए गए काम को अटकाया न गया होता तो आज भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) विश्व की नंबर वन स्पेस एजेंसी होती। जी हां, नासा से भी आगे। नासा की नौकरी ठुकराकर ही तो अपनी मिट्टी के लिए कुछ कर दिखाने का जज्बा रखने वाले नांबी भारत लौटे थे। 'रॉकेट्री- द नांबी इफेक्ट' नांबी नारायणन के साथ हुए अन्याय की ही कहानी नहीं है, ये कहानी है पूरे देश के साथ हुए अन्याय की जिसके चलते हम अंतरिक्ष विज्ञान मे चौथाई सदी से भी ज्यादा पीछे चल रहे हैं।

भारतीय फिल्म निर्माताओं पर बड़ा सवाल

नांबी नारायणन की कहानी ऐसी है कि इस पर अब तक किसी दिग्गज फिल्म निर्माण कंपनी ने फिल्म क्यों नहीं बनाई, ये सोचकर अचरज होता है। मैंने गुरुवार को फिल्म के बारे में सोशल मीडिया पर लिखा तो लोग पूछने लगे कि फिल्म थिएटर में आएगी या ओटीटी पर। 1 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही 'रॉकेट्री- द नांबी इफेक्ट' को अकेले अपने बूते लिखने वाले, प्रोड्यूस करने वाले, निर्देशित करने वाले और उसमें अभिनय करने वाले आर माधवन इस बीच खूब गालियां भी खाते रहे हैं। मोबाइल पर दिन रात टिके रहने वाले लोगों के निशाने पर आते रहे। लेकिन, दर्शकों को तो छोड़िए, पूरे फिल्म जगत के तमाम बड़े सितारों ने भी फिल्म की रिलीज तक इसके बारे में एक भी शब्द अब तक तारीफ का नहीं कहा है। क्यों? क्योंकि इससे एक ऐसी नई फिल्म कंपनी खड़ी हो सकती है जिसे सिनेमा के वंशानुगत तौर तरीकों से कुछ लेना देना नहीं है और जो अपने बूते देश प्रेम की कहानियां बनाना चाहती है। एक तरह से देखा जाए तो माधवन एक तरह से नांबी नारायणन का दर्द ही बीते चार पांच साल से जी रहे हैं।

शाहरुख खान सुन रहे कहानी

'रॉकेट्री- द नांबी इफेक्ट' शुरू होती है नांबी नारायणन की जवानी से। एक हुनरमंद वैज्ञानिक की प्रतिभा को विक्रम साराभाई पहचानते हैं। ए पी जे अब्दुल कलाम भी साथ काम करते दिखते हैं। दुनिया की सर्वश्रेष्ठ शिक्षण संस्थानों में से एक प्रिंस्टन में नांबी पढ़ने जाते हैं। नासा में नौकरी पाते हैं लेकिन उससे कहीं कम वेतन देने वाले इसरो में लौट आते हैं। उपग्रहों को अंतरिक्ष में ले जाने वाला रॉकेट वह विकसित कर रहे हैं। रॉकेट बनाने में वह कामयाब भी हो जाते हैं। रॉकेट का नाम है वीआई एएस। टेस्टिंग सफल होती है तो अपने गुरु के नाम का 'के' वह जाकर बीच में लिख देते हैं और रॉकेट का नाम पड़ता है, विकास। ये विकास रॉकेट ही आज तक इसरो से भेजे जाने वाले उपग्रहों को अंतरिक्ष में ले जा रहा है। और, इन्हें बनाने वाला? फिल्म की रिलीज के दिन तक नांबी नारायणन मुंबई में आर माधवन का इस बात के लिए हौसला बंधा रहे थे कि अंत में सब कुछ ठीक हो ही जाता है। ठीक फिल्म 'ओम शांति ओम' में शाहरुख के बोले संवाद की तरह। शाहरुख फिल्म में नांबी नारायणन का इंटरव्यू ले रहे हैं और इसी इंटरव्यू के बहाने ये पूरी फिल्म आगे बढ़ती है।

"रॉकेट बनाने में वह कामयाब भी हो जाते हैं। रॉकेट का नाम है वीआई एएस। टेस्टिंग सफल होती है तो अपने गुरु के नाम का 'के' वह जाकर बीच में लिख देते हैं और रॉकेट का नाम पड़ता है, विकास।"

'डॉक्टर जी' में गाइनेकोलॉजिस्ट बने आयुष्मान खुराना

बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना का नाम उन चुनिंदा सितारों में शुमार है, जिनकी फिल्मों का दर्शक इंतजार करते हैं। आयुष्मान खुराना ने अपनी दमदार एक्टिंग के साथ ही साथ हटकर फिल्मों से खूब वाहवाही लूटी है। बीते कुछ सालों से आयुष्मान खुराना अपनी फिल्मों में कोई न कोई समाज से जुड़ा टॉपिक उठाते हैं और काफी सटीक अंदाज में उसे बड़े पर्दे पर दिखाते हैं। ऐसे में अब नेशनल डॉक्टर्स डे के खास मौके पर उनकी अगली फिल्म डॉक्टर जी से उनका लुक और अन्य जानकारी सामने आई हैं। नेशनल डॉक्टर्स डे पर आयुष्मान खुराना ने अपने फैन्स को दिया है एक खास सरप्राइज और अपनी अपकमिंग फिल्म डॉक्टर जी की टीम के साथ मिलकर फिल्म से अपना लुक जारी किया हैं। ये जंगली पिक्चर्स द्वारा बनाई गई फिल्म है। इस फिल्म का निर्देशन अनुभूति कश्यप ने किया हैं। इस कैंपस कॉमेडी ड्रामा फिल्म में पहली बार आयुष्मान खुराना एक गाइनेकोलॉजिस्ट का रोल निभा रहें हैं, जिसमें उनके साथ अहम रोल निभाते हुए बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह और वेटरेन एक्ट्रेस शेफाली शाह नजर आने वाली हैं।

जी से गाइनेकोलॉजिस्ट, जी से गुप्ता...

आयुष्मान खुराना ने नेशनल डॉक्टर्स डे के इस खास मौके पर उन सभी मेहनती चिकित्सकों को विश किया हैं जिन्होंने अपना जीवन बार-बार दूसरों की सेवा के लिए समर्पित किया है। इस सेलिब्रेट करते हुए उन्होंने अपने फैन्स को फिल्म से जुड़े सबसे अहम सवाल का भी जवाब दिया है कि डॉक्टर जी में जी का क्या मतलब है? आयुष्मान खुराना ने अपने सोशल मीडिया पर फिल्म से अपने लुक की लेटेस्ट झलक शेयर करते हुए लिखा, जी से गाइनेकोलॉजिस्ट, जी से गुप्ता, ये है हमारा ... डॉक्टर उदय गुप्ता उर्फ डॉक्टर जी और टीम की तरफ से सभी जी से जीनियस डॉक्टरों को #HappyDoctorsDay. डॉक्टर जी के निर्माता इस दिन को फिल्म से आयुष्मान खुराना के किरदार की एक नई तस्वीर के साथ मनाने की उम्मीद कर रहे हैं।

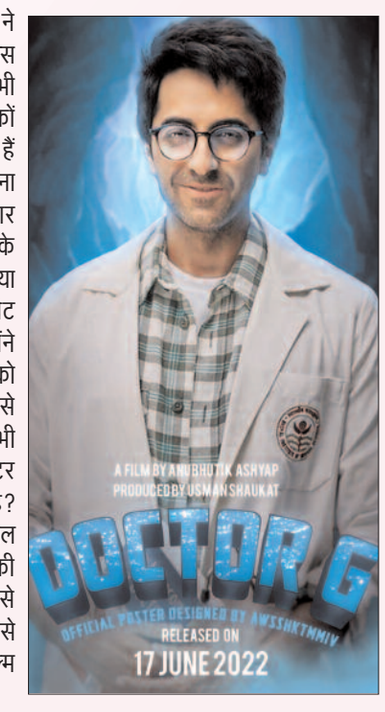

रश्मि देसाई

ड्रेस बदलते हुए कैमरे में कैद हुईं

टेलीविज़न की मशहूर अदाकारा रश्मि देसाई इस समय सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रही हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने अपना एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया था, जिसमें वह कैमरा के सामने कपड़े बदलती नजर आ रही है। सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट होते ही वायरल हो गया और रश्मि का हॉट अवतार देखकर लोगों के दिलों में आग लग गयी है। यकीन मानिये आप भी वीडियो देखकर आहें भरने पर मजबूर हो जायेंगे। लोगों के दिलों में आग लगा रहे इस वीडियो को अभिनेत्री रश्मि देसाई ने अपने खुद के सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है। इसे शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, आइए उन्हें एक शो दें। वीडियो की शुरुआत में रश्मि सफ़ेद रंग की मिनी ड्रेस पहनें दिखाई देती हैं, इसके बाद वह अपनी इस ड्रेस की चैन खोलने लगती है और फिर वह एकदम से एक डिजाइनर ड्रेस पहनें कैमरे के सामने आ जाती हैं। इस डिज़ाइनर ड्रेस में अभिनेत्री काफी खूबसूरत लग रही हैं और उनकी सेक्सी अदाएं लोगों पर कहर बरपा रही हैं। अभिनेत्री रश्मि देसाई को कैमरे के सामने बड़े स्टाइलिश अंदाज में कपड़े बदले, जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया है। अभिनेत्री की यह वीडियो लोगों को खूब पसंद आ रही है और वह इसे जमकर शेयर कर रहे हैं। रश्मि के हॉट अवतार की तारीफ करते हुए कई यूजर वीडियो पर कमेंट भी कर रहे हैं। एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, खूबसूरती हद से ज्यादा। एक अन्य ने लिखा, देखो चाँद आया।

कटरीना कैफ ने इंस्टाग्राम पर की ऋतिक रोशन के बियर्ड लुक की तारीफ

बॉलीवुड के ग्रीक गॉड कहलाने वाले अभिनेता ऋतिक रोशन के लुक्स, फिजीक और डांस को पसंद करने वालों की कमी नहीं है। आम फैन्स ही नहीं बल्कि कई सेलेब्स भी ऋतिक रोशन की तारीफ करते नहीं थकते हैं। ऋतिक रोशन का हर अंदाज फैन्स को पसंद आता है और हाल ही में जब ऋतिक ने एक विज्ञापन का वीडियो अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है तो बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस कटरीना कैफ भी खुद को उनकी तारीफ करने से रोक नहीं पाईं। कटरीना ने ऋतिक की दाढ़ी की तारीफ की और पति विकी कौशलको भी सोशल मीडिया पोस्ट में टैग किया। दरअसल हाल ही में ऋतिक रोशन ने इंस्टाग्राम पर बियर्डो का एक विज्ञापन शेयर किया था। इस वीडियो में ऋतिक रोशन बियर्ड लुक में काफी डैपर नजर आ रहे थे। ऋतिक रोशन के इस बियर्ड लुक को सोशल मीडिया यूजर्स ने भी काफी पसंद किया था। वहीं कटरीना कैफ ने भी इस रील को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर करते हुए लिखा, लविंग दिस बियर्डो वाइब इस ही इंस्टा स्टोरी में कटरीना कैफ ने पति विकी कौशल को भी टैग किया और लिखा- हम्म्म्म।

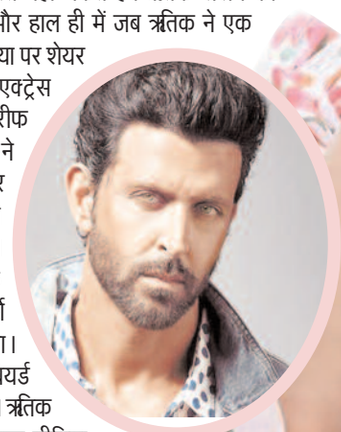

अब तक 8 कंटेस्टेंट हो चुके बाहर

खतरों के खिलाड़ी सीजन 12

रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी सीजन 12 के आगाज में बस कुछ ही घंटों का वक्त बाकी है। शो की शूटिंग अभी भी केपटाउन में चल रही है और कई एपिसोड्स की शूटिंग हो चुकी है। मेकर्स ने प्रोमोज जारी कर दिए हैं जिसमें कंटेस्टेंट खतरनाक स्टंट करते नजर आए हैं। शो में हिस्सा लेने वाले सेलिब्रिटीज अपने सोशल मीडिया पेज पर फनी वीडियोज शेयर कर रहे हैं। चहेते सितारों को स्टंट करते हुए देखने के लिए फैन्स बेताब हैं। इस बीच सूत्रों के हवाले से एविक्शन की भी कई खबरें आ रही हैं। कुछ दिनों पहले पता चला था कि शिवांगी जोशी और प्रतीक सहजपाल शो से बाहर हो गए हैं।

शिवांगी तो भारत लौट आई हैं लेकिन खबरें हैं कि वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रतीक की एंट्री हो सकती हैं। अब जो लेटेस्ट जानकारी है उसके मुताबिक, शो से अभी तक कुल 8 लोग एविक्ट हो गए हैं। खतरों के खिलाड़ी के फैन पेज khatronkekhiladi. vw. tazakhabar ने इंस्टाग्राम पर इस बारे में बताया कि 'सूत्रों के अनुसार 8 लोगों का एविक्शन हो गया है। सेट पर बहुत ज्यादा प्राइवेसी की वजह से अभी तक नाम सामने नहीं आए हैं लेकिन एक खबर यह भी है कि उन 8 प्रतियोगियों में से कुछ ने पहले ही वाइल्डकार्ड के जरिए जगह बना ली है।'